04 - जाति जनगणना : सामाजिक न्याय की ओर कदम

05 - राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैंकैया

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 14 अगस्त, 2024

06 - बीआर अंबेडकर कॉलेज में धूमधाम से मनाया हर घर तिरंगा...

07- राजस्व महाभियान में तेजी से करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 338 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मनीष सिसोदिया की रिहाई के बाद भी सिस्टम बदलने की उम्मीद नहीं

आशुतोष

दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल ही गई। सत्रह महीने जेल में रहने के बाद अब वो खुली हवा में साँस लेंगे। कोर्ट ईडी की कार्रवाई से नाराज दिखा और उसने फटकार भी लगाई। और ये संदेश भी दिया कि इतने लंबे समय तक उन्हें जेल में नहीं रखा जाना चाहिये। कोर्ट निचली अदालत से भी खफ़ा नजर आया। लेकिन कोर्ट की इन नाराजगियों और टिप्पणियों का हासिल क्या? क्या इससे सिसोदिया के जेल में बिताये दिन वापस आ जायेंगे या फिर ईडी के अधिकारी संविधान की कसम खा अब ईमानदारी से काम करेंगे? यकीन मानिये ऐसा कुछ भी नहीं होगा। सब कुछ पहले की तरह ही चलता रहेगा। ईडी आरोपियों को जेल में लंबा रखने के लिये नई-नई तरकीबें खोजता रहेगा और अदालतें लोगों को जेल भेजती रहेंगी और असाधारण परिस्थितियों में ही लोगों को जमानत देगी। और फिर कभी-कभार सुप्रीम कोर्ट ऐसी कोई टिप्पणी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेगा। पिछले दस सालों में एक ऐसा तंत्र विकसित हो कर महादानव का रूप ले चुका है जिसे संविधान और कानून की कोई परवाह नहीं है। जब तक इस पूरे तंत्र की नये सिरे से समीक्षा नहीं होगी और इस में बुनियादी बदलाव नहीं किये जायेंगे तब तक ऐसे ही व्यवस्था चलती रहेगी, अबाध गति से।

दरअसल, आजादी के बाद लोकतंत्र की बात करते हुये पूरा तंत्र ही लोकतंत्र विरोधी हो गया है जो सरकार की जिम्मेदारी तय करने की जगह आम नागरिक की जिम्मेदारी तय कर रहा है। सत्ता पर नकेल कसने की जगह नागरिकों की नाक में नकेल डाल रहा है। ये स्थितियाँ आने वाले दिनों में सुधरने वाली नहीं है क्योंकि सत्ता को ये सूट करता हैं और सत्ता कैसी भी हो उसका स्वभाव ऐसा है कि वो नागरिकों के अधिकारों का हनन करना अपनी मूल ज़िम्मेदारी समझती है।

इसका ये मतलब कतई नहीं कि मनीष सिसोदिया निर्दोष हैं। मैं केस की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहा लेकिन अगर सिस्टम ऐसा हो जाये तो फिर ये सवाल लोगों के बीच जरूर उठेंगे, और उठने चाहिये कि क्या मनीष को फँसाया गया है। शराब घोटाले में संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल के बाद मनीष तीसरे हाई प्रोफाइल नेता है जिसे ईडी के मामलों में जमानत मिली है। संजय सिंह के मामले में कोर्ट ने एक तरह से उन्हें निर्दोष ही कह दिया था।

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के मामले अलग हैं। ये दोनों नेता सरकार में थे जब शराब नीति बनी और आरोप लगे, और इन पर गंभीर आरोप लगे हैं। अदालत ने सिर्फ़ ये कहा है कि इन्हें लंबे वक्त तक जेल में नहीं रखा जा सकता। कोई भी कानून या फिर जाँच एजेंसियों की कोई भी कार्रवाई संविधान द्वारा दिये गये नागरिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती। इसलिये इस आधार पर किसी की नागरिक स्वतंत्रता को लंबे समय तक सस्पेंड नहीं किया जा सकता है कि अभी तक जाँच पूरी नहीं हुई है। ये अधिकार किसी भी अधिकारी को नहीं दिया जा सकता कि वो ये तय करें कि किसी की नागरिक स्वतंत्रता पर वो कब तक अंकुश लगायेगा। और अदालत संविधान की संरक्षक होने के नाते ऐसे मामलों में दखल दे सकती है। जैसा कि मनीष के मामले में उसने किया है।

लेकिन इन आधार पर ये सोच लेना कि मनीष के जेल से बाहर आते ही देश की राजनीति में कोई मौलिक बदलाव आ जायेगा तो ऐसा कुछ नहीं होने वाला। मनीष सिसोदिया ने जेल जाने के बाद अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। अब ये केजरीवाल पर निर्भर करता है कि वो अपने बेहद विश्वासपात्र मित्र के जेल से बाहर आने के बाद उनको फिर से कैबिनेट में लेते हैं कि नहीं। यहाँ ये बताना आवश्यक है कि केजरीवाल अभी भी मुख्यमंत्री है और जेल से सरकार चलाने का दावा कर रहे हैं। लिहाजा उन्हें ही ये तय करना है कि वो पहले की तरह उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाते है या नहीं। बेहतर तो ये होता कि वो मनीष के बाहर आने के बाद अपने पद से इस्तीफ़ा दे दे और मनीष के नेतृत्व में नई सरकार बने। ताकि दिल्ली को एक चलने वाली सरकार मिले न कि ऐसी सरकार जो जेल से चलाई जा रही हो। ये केजरीवाल की अपनी छवि के लिये भी अच्छा नहीं है और न ही दिल्ली की जनता के लिये। और न ही जेल से सरकार चलाने का कोई राजनीतिक लाभ ही मिल रहा है। वो लोकसभा चुनाव के ठीक पहले जेल गये थे। और बीच में वो प्रचार के लिये बाहर भी आये पर दिल्ली की जनता पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आप कांग्रेस से गठबंधन के बावजूद दिल्ली में एक भी सीट नहीं जीत पाई और पंजाब में भी वो सिर्फ़ तीन सीट ही निकाल पाई। वहाँ कांग्रेस ने सात सीटें जीती यानी केजरीवाल को जेल जाने की कोई सहानुभूति नहीं मिल रही है। और ये उनके लिये खतरे की घंटी है ।

जनवरी फ़रवरी में दिल्ली विधानसभा के चुनाव हैं। अगर यही हालात बने रहे तो आप को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। 2013, 2015, और 2020 विधानसभा के चुनावों की तुलना में अब माहौल में काफ़ी अंतर आ चुका है। हर नेता पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद उनके इस्तीफ़े की माँग करने वाले केजरीवाल खुद जेल में हैं और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा नही दे रहे हैं, और दिल्ली में प्रशासन ध्वस्त हो चुका है। मनीष सिसोदिया को जमानत मिलना आपदा में अवसर जैसा हो सकता है। दिल्ली की राजनीति में कुछ बदलाव कर आप के लिये खोई जमीन दोबारा हासिल की जा सकती है। मनीष को कमान दे आप में बुनियादी बदलाव किये जा सकते हैं। आप के उन नेताओं को बाहर किया जा सकता है जो सरकार और पार्टी पद पर रहते हुये सिर्फ तोहमत की राजनीति कर रहे हैं। आप को नये सिरे से खड़ा करने की जरूरत है। उसे केजरीवाल की मानसिकता से निकलने की जरूरत है। लड़ने की जगह सहकार का रास्ता अपनाना होगा। मनीष ये काम कर सकते हैं। वो पार्टी में नई जान डाल सकते हैं। वो नौकरशाही को भी भरोसे में ले कर चल सकते हैं।

केजरीवाल को भी देर सबेर जमानत मिल जायेगी। लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने का मोह छोड़ना पड़ेगा। आप एक उम्मीद का नाम था। वो उम्मीद पिछले सालों में धूमिल हुई है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल

भारत मंडपम से तिरंगा बाइक रैली निकली, सरकार ने 4 हजार स्पेशल गेस्ट को भेजा न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले में 78वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां फाइनल स्टेज में हैं। मंगलवार को लाल किले पर फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। इसमें सेना के जवान ने मॉक ड्रिल की। वायुसेना ने भी आसमान में अपनी ताकत दिखाई। इस बार स्वतंत्रता दिवस की थीम विकसित भारत है। इसके तहत स्वतंत्रता के 100वें साल यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में युवा, महिलाएं और आदिवासी सहित 4 हजार स्पेशल गेस्ट शामिल होंगे। केंद्र सरकार की ओर से जारी लिस्ट में स्पेशल गेस्ट को 11 कैटेगरी में बांटा गया है। सभी गेस्ट 14 अगस्त को दिल्ली पहुंचे हैं। ये सभी अपने साथ परिवार के एक और सदस्य को ला सकते हैं। इनके अलावा 18 हजार ई-निमंत्रण कार्ड भेजे गए हैं। 150 महिला सरपंच को भी न्योता भेजा गया है। सरपंचों को सरकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने को योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा। मेरी माटी मेरा देश योजना के तहत 400 एनएसएस वॉलंटियर्स, माईभारत योजना के 100 लाभार्थी और पीएम श्री स्कूलों के स्टूडेंट्स भी शामिल होंगे।

बारिश ने फिर ढाया 'कहर' पानी-पानी हुए कई शहर

यूपी और एमपी के आधे से अधिक जिलों में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना उफान पर हैं। 15 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। वाराणसी में 65 घाट गंगा में डूबे हैं, जहां एनडीआरएफ तैनात है। लखीमपुर में शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण 250 गांव में पानी भर गया है। करीब 2.50 लाख लोग प्रभावित हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना में तालाब फूटने से 4 गांवों में पानी घुस आया है। इस कारण 20 गांवों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में बारिश के चलते पिछले 2 दिनों में 26 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जयपुर समेत 4 जिलों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में पहाड़ दरकने से 2 लोगों की मौत हो गई। उधर, श्रीनगर में खराब मौसम के चलते अमरनाथ यात्रा रोक दी गई। उत्तर प्रदेश में इस मानसून सीजन में 33 जिलों में बाढ़ आ चुकी है। इसमें कुल 17 लोगों की मौत हुई है। यूपी-उत्तराखंड और हरियाणा की सीमा पर स्थित हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसकी वजह से यमुना का जलस्तर बढ़कर एक लाख क्यूसेक पहुंच गया है। इसका असर सहारनपुर समेत कई जिलों में पड़ेगा।

- **यूपी के 15 जिलों में बाढ़, वाराणसी में 65 घाट गंगा में डूबे**

इन्दौर तकनीकी कम्पनियों का तेजी से उभरता पसंदीदा स्थान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने इंदौर में आईटी कंपनी न्यू कॉग्निजेंट डिलेवरी सेंटर का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 21वीं सदी बौद्धिक युग की अग्रणी सदी है। कॉग्निजेंट कंपनी के आगमन से मध्यप्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा 18 एवं 19 वीं सदी खाद्य और कपास से आर्थिक विकास से जुडी थी। 20 वीं सदी पेट्रोकेमिकल से आर्थिक विकास का युग रहा। आज चहुँओर बौद्धिकता का बोलबाला है। दुनिया, भारत के ज्ञान का लोहा मानती है। उन्होंने कहा कि आईटी कम्पनियों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार सदैव तत्पर है। ये हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि कॉग्निजेंट ने अपने नए केंद्र के शुभारंभ के लिए इंदौर को चुना है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे जाहिर होता है कि इंदौर अपने बढ़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर और कुशल एवं प्रतिभाशाली लोगों की मौजूदगी की वजह से दुनिया भर की टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए बड़ी तेजी से पसंदीदा स्थान के रूप में उभर रहा है। आईटी सेक्टर में आज इंदौर के साथ ही प्रदेश को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली। लगभग 500 की संख्या में आईटी प्रोफेशनल्स को यहां रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आईटी कम्पनी कॉग्निजेंट के इन्दौर सेन्टर के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम लगातार नई तकनीकी कंपनियों एवं उद्योगों को स्थापित करने में अपना सहयोग देने, व्यवसायों के लिए नए-नए अवसर पैदा करने के इरादे पर अटल हैं। हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते है जिससे इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी का लगातार विकास हो, जो हमारे राज्य को देश के अगले डिजिटल केंद्र के रूप में आगे बढ़ाते हुए हमारे युवाओं के लिए अवसर पैदा करें। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, गौरव रणदीवे, श्री चिंटू वर्मा, प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित गणमान्यजन, कॉग्निजेंट के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

दान एवं सेवा आत्मिक अनुभूति : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गुरूदेव शिक्षा केन्द्र का उद्घाटन किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेवा एवं दान के सुख और आनंद को शब्दों में परिभाषित करना कठिन है। सेवा एवं दान का आनंद और सुख आत्मिक अनुभूति का विषय है। दान एवं सेवा का सुख और आनंद की अनुभूति हम कर्म करके ही प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर के राऊ स्थित डीपीएस स्कूल में जागरण सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित गुरूदेव शिक्षा केन्द्र इंदौर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा का दान सबसे बड़ा दान है। ईश्वर की सच्ची पूजा वंचित वर्गों की सेवा एवं उनके कल्याण के कार्य हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को लेकर शिक्षा का प्रसार किया जाना चाहिए। जो संस्थाएं ऐसे कार्यों में लगी हैं उनके कार्य सराहनीय है। उन्हीं में से एक संस्था जागरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी भी है। उन्होंने कहा कि इस संस्था द्वारा कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, यह संस्था बधाई की पात्र है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्री मधु वर्मा, सुश्री उषा ठाकुर तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री अभिषेक मोहन गुप्ता भी विशेष रूप से मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को गणवेश एवं पठन-पाठन सामग्री वितरित की। उन्होंने पौध-रोपण भी किया। कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती आशा नायर ने स्वागत भाषण दिया।

सुप्रभात

वो आएगा नुमाइश ए
सामान देखकर
क्यों कारोबार छोड़ दूं
नुक़सान देखकर
नख़रे उठा रही हूं
तुम्हारी तलाश के
रुकती नहीं हूं रास्ता
वीरान देखकर
सोचा नहीं था मैंने कभी
तेरे जैसा शख्स
मुंह फेर लेगा मुझको
परेशान देखकर
वो तेरा लम्स वो तिरि
बाहों की ख़ुशबुएं
लौटी हूं जैसे कोई
गुलिस्तान देखकर
तू लाख बेवफ़ा है मगर
सर उठा के चल
दिल रो पड़ेगा तुझको
पशेमान देखकर
ज़ाहिर न हो कि मुझसे
तेरा वास्ता भी है
सबकी नज़र है तुझपे
मेरी जान देखकर।

– हिमांशी बाबरा

बैठकों पर बैठक लेकिन कुछ नहीं हो पाया तय

- नए बीजेपी अध्यक्ष पर राहुल-अखिलेश ने मोदी को दे दी टेंशन
- बीजेपी अध्यक्ष के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर हुई बैठक
- बीजेपी और आरएसएस के नेताओं ने कई नामों पर किया विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को नया अध्यक्ष चाहिए। जगत प्रकाश नड्डा का बढ़ाया हुआ कार्यकाल भी खत्म हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर नए अध्यक्ष के नामों पर चर्चा के लिए पांच घंटे की लंबी-चौड़ी बैठक हुई। इस मीटिंग में राजनाथ सिंह के अलावा मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा, बीजेपी के संगठन महासचिव बीएल संतोष जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से दूसरे क्रम के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले और संयुक्त महासचिव अरुण कुमार ने हिस्सा लिया था। इसी वर्ष चार महत्वपूर्ण राज्यों के चुनाव हैं, फिर अगले वर्ष दिल्ली और बिहार जैसे प्रमुख राज्यों की बारी आएगी। इन अवसरों के साथ-साथ हाल के लोकसभा चुनावों में उभरीं चुनौतियां भी नए अध्यक्ष के चुनाव की कसौटियां बनेंगी। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने बीजेपी को बड़ा झटका दिया है। वहां अच्छी-खासी संख्या में खासकर पिछड़ा और दलित वर्ग के मतदाताओं ने बीजेपी से मुंह मोड़कर उसके विरोधियों का रुख कर लिया। यूपी में कांग्रेस और सपा ने मिलकर बड़ा नुकसान किया।

चोरी-छिपे भारत से वापस जा रहे थे छह बांग्लादेशी

बीएसएफ जवानों से हो गई मुठभेड़, एक मारा गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करों के एक समूह की बीएसएफ जवानों के साथ मुठभेड़ हो गई। जवाबी गोलीबारी में एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया। बीएसएफ ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह घटना 11 और 12 अगस्त की मध्य रात्रि को मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर चांदनी चक सीमा चौकी के पास हुई। बीएसएफ के बयान में कहा गया है, ''इलाके में गश्त कर रहे बीएसएफ के एक जवान ने पांच से छह लोगों को सिर पर सामान लेकर भारतीय क्षेत्र से बांग्लादेश की ओर जाते देखा। जवान ने तुरंत आगे बढ़ कर तस्करों को रुकने के लिए कहा। लोगों ने जवान के निर्देश को नजरअंदाज किया और झाड़ियों के पीछे छिपे तस्करों के एक अन्य समूह ने जवान पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5°c न्यूनतम 33°c

2

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 14 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ बंद किया केस

● रामदेव-बालकृष्ण की माफी मंजूर की, कहा-आदेश नहीं माना तो सख्त सजा देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि आयुर्वेद और योग गुरु स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ अदालत की अवमानना का केस बंद कर दिया है। कोर्ट ने दोनों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वे कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कुछ भी करते हैं, जैसा कि पहले हुआ था, तो कोर्ट कड़ी सजा देगा। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने मंगलवार को फैसला सुनाया। 14 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की थी।

15 अगस्त को आतिशी नहीं फहरा पाएंगी तिरंगा

● जीएडी ने खारिज किया सीएम केजरीवाल का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वो प्रस्ताव खारिज हो गया है जहां पर उन्होंने कहा था कि मंत्री आतिशी द्वारा 15 अगस्त को झंडा फहराया जाएगा। असल में जीएडी द्वारा सीएम केजरीवाल के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी गई है। कुछ दिन पहले ही जेल केजरीवाल ने एक लेटर जारी किया था जिसमें लिखा था कि आतिशी को ही 15 अगस्त को तिरंगा फहराने दिया जाए। ऐसा कहा गया कि अरविंद केजरीवाल नहीं चाहते थे कि उनकी अनुपस्थिति में एलजी वीके सक्सेना ध्वजारोहण करें, ऐसे में उन्होंने जिम्मेदारी अपनी ही एक मंत्री को दे दी।

पंजाब के तरनतारन बॉर्डर पर पाक घुसपैठिया ढेर

● चुनौती देने पर भी नहीं रुका, बीएसएफ जवानों ने फायर कर मार गिराया

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के तरनतारन बॉर्डर पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने एक पाक घुसपैठिए को ढेर कर दिया। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर बॉर्डर पर जारी अलर्ट को देखते हुए बीएसएफ के जवानों ने सतर्कता में ये कदम उठाया। वे भारतीय सीमा में घुस आया था और बार-बार चुनौती देने पर भी वापस ना लौटा। फिलहाल बीएसएफ जवानों ने उसके शव को कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया है। बीएसएफ की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार, घटना 12-13 अगस्त की मध्य रात्रि की है।

2036 तक 152.2 करोड़ हो जाएगी हमारी आबादी

● सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट ● 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या में बढ़ोत्तरी

● 15 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या में आ रही है कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की की जनसंख्या 2036 तक 152.2 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। सोमवार को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इस संबंध में एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में महिला और पुरुष के लिंगानुपात में सुधार होगा। इसका अर्थ है कि महिलाओं की संख्या में थोड़ा सुधार होगा। यह 2011 के 48.5 फीसदी की तुलना में 48.8 फीसदी हो जाएगी। भारत में महिलाएं और पुरुष 2023 नामक इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 15 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या 2011 से 2036 के बीच घटेगी। ऐसा जन्म दर कम होने की वजह से हो सकता है। इसके उलट, 60 साल या उससे अधिक उम्र के

लोगों की संख्या में इस दौरान काफी बढ़ोतरी होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2036 की जनसंख्या की तुलना में 2011 की जनसंख्या में महिलाओं की संख्या कम थी लेकिन अब स्थिति बदल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, लिंगानुपात में सुधार हो रहा है। साल 2011 में हर 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएं थीं, लेकिन 2036 तक यह बढ़कर 952 हो जाने की उम्मीद है। यह लैंगिक समानता की दिशा में एक अच्छी शुरुआत है। यह रिपोर्ट भारत में महिलाओं और पुरुषों की स्थिति की पूरी जानकारी देती है। इसमें जनसंख्या, शिक्षा, स्वास्थ्य, कामकाज और फैसले लेने की स्थिति के बारे में आंकड़े दिए गए हैं। रिपोर्ट में शहरों और गांवों के बीच और अलग-अलग राज्यों के बीच के अंतर को भी दिखाया गया है। इन आंकड़ों को अलग-अलग मंत्रालयों, विभागों और संगठनों के आंकड़ों से लिया गया है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और मापने के लिए लैंगिक आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये हमें प्रगति का पैमाना देते हैं।

खंडवा में लोट लगाते जनसुनवाई में पहुंचा युवक

कलेक्टर से बोला-मेरी जमीन पर जबरन मंदिर बनवाया; पटवारी ने कहा-रास्ते पर इसी का कब्जा

खंडवा (नप्र)। खंडवा में प्रशासन तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए लिए एक युवक लोट लगाते हुए कलेक्टोरेट पहुंचा। उसे कीचड़ से सना देखकर अफसर हैरान रह गए। इससे पहले वह एसडीएम ऑफिस गया था। उसे लगा कि यहां अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

सहेजला के रहने वाला श्याम कहार प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाना चाहता था। इसलिए लिए उसके दिमाग में एक आइडिया आया। वह धूल-मिट्टी से सनी सड़क पर लोट लगाते हुए कलेक्टोरेट गया। यहां उसने कलेक्टर से कब्जा की जमीन पर मंदिर बनाने की शिकायत की। श्याम करीब 300 मीटर तक लोट लगाते हुए कलेक्टोरेट पहुंचा। उसके पूरे कपड़े कीचड़ से सन चुके थे।

एसडीएम दफ्तर से निराश हुआ तो लोट लगाते कलेक्टोरेट गया- दरअसल, श्याम इससे पहले एसडीएम कार्यालय गया था। यहां उसे लगा कि अधिकारी जनसुनवाई नहीं कर रहे तो वह बेहद निराश हुआ। इसके बाद अपनी समस्या को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए वह करीब 300 मीटर तक लोट लगाते हुए कलेक्टोरेट पहुंचा। इस दौरान उसके पूरे कपड़े कीचड़ से सन चुके थे।

दिव्यांग पिता को उठाकर ले जाने से कर्मचारियों ने रोका- युवक अपने दिव्यांग पिता को भी लेकर आया था। वह उन्हें उठाकर जनसुनवाई में लेकर जाने लगा तो कर्मचारियों ने रोक दिया। उन्होंने कहा कि ट्राई साइकिल पर लेकर जाओ। युवक नहीं माना, हालांकि बाद में उलने पिता को ट्राइ साइकिल पर बैठा और अंदर पहुंचा।

कलेक्टर ने सबसे पहला आवेदन श्याम का ही लिया- याम के पहुंचने से कुछ देर पहले ही कलेक्टर अनूप सिंह जनसुनवाई में आए थे। इसी दौरान उनकी नजर कीचड़ से सने कपड़े पहने श्याम पर गई। इसके बाद सबसे पहला आवेदन उसी का लिया। कलेक्टर ने उसकी पूरी बात भी सुनी। उसने बताया कि खंडवा आने के लिए उसे गेहूं बेचना पड़ा है।

युवक बोला- दबंगों ने जमीन पर कब्जा कर मंदिर बनाया- इस दौरान श्याम ने कलेक्टर से बताया कि गांव के दबंगों ने उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। इसी जमीन पर मंदिर बना दिया गया है। तहसीलदार और एसडीएम से कई बार शिकायत की। सीएम हेल्पलाइन पर 4 बार शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद भी पटवारी ने आज तक रिपोर्ट नहीं दी। कलेक्टर ने 7 दिन के भीतर समस्या को सुलझाने का आश्वासन दिया है।

पटवारी ने कहा- इसी ने रास्ते पर कब्जा कर रखा है- इस मामले में पटवारी विवेक व्यास का कहना है, मेरे पास सहेजला हल्के का चार्ज है। आवेदक श्याम का मामला एसडीएम कोर्ट में चल रहा है। पहले भी दो बार केस खारिज हो चुका है। रही बात रिपोर्ट देना, तो यह मेरे अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है। कोर्ट ने आरआई से रिपोर्ट मांगी थी। दूसरी बात मंदिर और गांव से हमारा कोई लेना-देना ही नहीं है। मेरे काका भगवताचार्य हैं, उन्होंने उस गांव में कुछ साल पहले कथा की थी। तब ग्रामीणों ने पुराने मंदिर का नए सिरे से निर्माण कराया। मंदिर तो उसी जमीन पर बना है। श्याम कहार ने ही रास्ते पर कब्जा कर रखा है।

ट्रैफिक जवान पर कार चढ़ाने की कोशिश

रॉन्ग साइड आने से रोकने पर हाथापाई की, वर्दी फाड़ी; गाड़ी लेकर भागा

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में कार ड्राइवर ने ट्रैफिक पुलिस के जवान पर कार चढ़ाने की कोशिश की। पुलिस ने उसे रॉन्ग साइड पर आने से रोका था। कार से उतरकर उसने ट्रैफिक पुलिस के जवानों से झगड़ा कर हाथापाई की, एक जवान की वर्दी भी फाड़ दी। इसके बाद कार लेकर भाग गया।

घटना सोमवार शाम बस स्टैंड के पास की है। इसका सीसीटीवी फुटेज मंगलवार को सामने आया है। पड़ाव थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर कार जब्त कर ली है। आरोपी फरार है, पुलिस उसके भाई से पूछताछ कर रही है।

जवान ने साइड हटकर खुद को बचाया- सोमवार शाम ट्रैफिक पुलिस के दो जवान बस स्टैंड पर चेकिंग कर रहे थे। कार रॉन्ग साइड से आती दिखी। जवानों ने कार को रोका और चालानी कार्रवाई शुरू ही की तो कार का ड्राइवर अभद्रता पर उतर आया। झगड़ने के बाद वह कार में जाकर बैठ गया और गाड़ी अंदर से लॉक कर ली। एक जवान ने कार के सामने आकर उसे रोकना चाहा, लेकिन वह स्पीड में कार को भगाता हुआ ले गया। ट्रैफिक जवान रामदेव शर्मा ने साइड में हटकर खुद को बचाया।

शेख हसीना बांग्लादेश लौटीं तो जेल में कट सकती है बाकी उम्र!

● ढाका में दर्ज हुआ हत्या का केस, 19 जुलाई की घटना में हुआ निर्णय

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ हत्या के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। 19 जुलाई को ढाका के मोहम्मदपुर इलाके में पुलिस गोलीबारी में किराने की दुकान के मालिक अबू सईद की मौत पर के मामले में शेख हसीना और छह अन्य को आरोपी बनाते हुए हत्या की धाराओं में केस किया गया है। शेख हसीना के साथ अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामुन, पूर्व डीबी प्रमुख हारुन, पूर्व डीएमपी आयुक्त हबीबुर रहमान और पूर्व डीएमपी संयुक्त आयुक्त बिप्लब कुमार को आरोपी बनाया गया है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, शेख हसीना और दूसरे नामजदों के अलावा कई अज्ञात उच्च पुलिस अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है। 5 अगस्त को पीएम पद से इस्तीफा देकर भारत भागने के बाद शेख हसीना के खिलाफ यह पहला मामला दर्ज किया गया है। इससे शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी पर भी सवाल खड़ा गया है। वापसी पर अब बहुत मुमकिन है कि उनकी गिरफ्तारी हो और उनको जेल भेजा जाए। मोहम्मदपुर निवासी अमीर हमजा शातिल ने शेख हसीना और अन्य के खिलाफ ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राजेश चौधरी की अदालत में मामला दायर किया है। शिकायतकर्ता मृतक का रिश्तेदार नहीं है।

5 दिन हो गए, कोलकाता पुलिस ने कुछ नहीं किया

ऐसे तो मिटा दिए जाएंगे सबूत, ऐक्शन में कोलकाता हाईकोर्ट

डॉक्टर रेप-मर्डर केस में सीबीआई को सौंपा केस, लगाई फटकार

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस की जांच सीबीआई को सौंप दी है। राज्य सरकार कल सुबह 10 बजे तक सीबीआई को केस डायरी और दूसरे रिकॉर्ड ट्रांसफर करेगी। चीफ जस्टिस टी एस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने केंद्रीय एजेंसी को मामले की जांच सौंपते हुए केवी राजेंद्रन मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि दुर्लभ मामलों में निष्पक्ष और सही जांच के लिए यह जरूरी है। हाईकोर्ट ने कहा कि हमने पुलिस को जांच के लिए समय दिया होता, लेकिन मामला अजीब है। घटना के 5 दिनों के बाद भी पुलिस किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंची है। इस बात की पूरी संभावना है कि सबूत मिटा दिए जाएंगे। इसलिए हमें लगता है कि मामला तुरंत सीबीआई को ट्रांसफर किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने घटना के बाद मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ संदीप कुमार घोष के इस्तीफे और दूसरी कॉलेज में उनकी नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि यह जानकर दुख होता है कि घटना को लेकर अस्पताल प्रशासन और तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप कुमार घोष सक्रिय नहीं थे। प्रिंसिपल ने अपना इस्तीफा दे दिया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उनके इस्तीफे पर क्या आदेश जारी किए गए थे। बल्कि इस्तीफे के बाद फिर प्रिंसिपल बना दिया गया।

रूस के 1000 वर्ग किमी इलाके पर यूक्रेन का कब्जा

28 गांव छीने, पुतिन ने यूक्रेनी सैनिकों को खदेड़ने का दिया आदेश

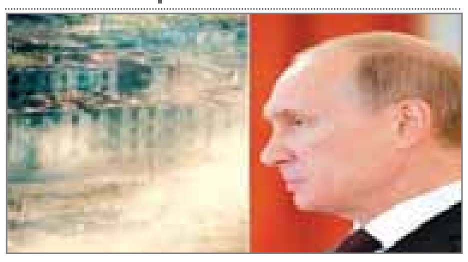

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन ने रूस के 1,000 वर्ग किमी से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। एजेंसी के मुताबिक एक सप्ताह पहले यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला किया था। तब से यहां के करीब 28 गांवों पर कब्जा कर चुके हैं। कुर्स्क में टैंकों और तोपखानों से लैस करीब एक हजार यूक्रेनी सैनिक 6 अगस्त को दाखिल हुए थे। इसके बाद रूस ने 8 अगस्त को ही यहां इमरजेंसी लगा दी थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे यूक्रेन की उकसाने वाली हरकत बताया है। उन्होंने अपने रक्षा अधिकारियों को यूक्रेनी सेना को रूसी इलाके से खदेड़ने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने सोमवार को कुर्स्क के स्थानीय नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान कुर्स्क के प्रमुख एलेक्सी स्मिरनोव ने पुतिन को बताया कि उनके इलाके में कई बस्तियों पर यूक्रेनी सेना ने कब्जा कर लिया है। यूक्रेनी हमले में 12 रूसी नागरिक भी मारे गए हैं। 121 लोग घायल हुए हैं। स्मिरनोव ने कहा कि यूक्रेनी सेना रूस में 30 किमी भीतर तक घुस चुकी है।

मुरैना में 135 साल पुराना तालाब फूटा

4 गांवों में पानी भरा, 20 में अलर्ट; अफसर बोले-चूहों के बिल से हादसा, हालात कंट्रोल में

सबलगढ़ (मुरैना) (नप्र)। मुरैना जिले के सबलगढ़ में मंगलवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे टोंगा तालाब फूट गया। इसका पानी 4 गांवों- कुतघान का पुरा, कोरी का पुरा, पासौन और देवपुर में भर गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि 20 गांवों में खतरे का अलर्ट जारी किया गया। ग्रामीणों ने कहा, 135 साल पुराने इस तालाब में सोमवार शाम करीब 4 बजे मिट्टी बहने से छेद हुआ था। यह मंगलवार सुबह 5 बजे तक 15 इंच तक बढ़ गया। सोमवार को ही एक्शन लिया जाता तो ऐसे हालात नहीं बनते। वहीं, जल संसाधन विभाग के चीफ एग्जीक्यूटिव इंजीनियर दिनेश रत्नाकर ने कहा, सोमवार दोपहर 12 बजे ही तालाब का निरीक्षण किया गया था। ऐसा कुछ नहीं मिला, जिससे तालाब के फूटने की आशंका हो। चूहों के बिल बनाने की वजह से हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने इससे पहले ऐसी कोई भी शिकायत नहीं की थी। उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों के किसी भी मकान में पानी नहीं भरा है। जनहानि-पशुहानि की कोई सूचना नहीं मिली है।

टैक्स पर सवाल पूछना पसंद नहीं : केंद्रीय वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण ने भोपाल में कहा- देश के सामने बहुत सारी चुनौतियां

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि लोग टैक्स पर सवाल करते हैं, ये बात मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। वित्त मंत्री ने ये बात भोपाल में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आयसर) के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

निर्मला सीतारमण ने कहा, लोग सवाल पूछते हैं कि इतने सारे टैक्स क्यों हैं, ये बात मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं चाहती हूं कि टैक्स को जीरो पर लेकर आऊं, लेकिन देश के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं। उसके लिए फंड की जरूरत है। हमारे देश और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर बहुत सारे कमिटमेंट हैं। हम इस बात का इंतजार नहीं कर सकते कि दूसरे हमें पैसे दें, इसीलिए हम खुद पैसा खर्च कर रहे हैं। उसके लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत रहती है।

इस दौरान उन्होंने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान परिसर में शैक्षणिक भवन और व्याख्यान कक्ष का शिलान्यास किया। साथ ही 442 शोधार्थियों को डिग्रियां भी दीं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे।

बनारस से लेकर केरल तक इंडियन ट्रेडिशन- वित्तमंत्री ने कहा कि भारत में चीन के विद्यार्थी पढ़ने आ रहे हैं। समाज को आपके ज्ञान का फायदा तब मिलेगा जब आप मिले हुए ज्ञान को समाज में बांटेंगे। इस संस्थान में बहुत से छात्र केरल और बंगाल के हैं।

आईआईएसईआर ने 3 हजार पेपर पब्लिश किए हैं। देश भर में रैंकिंग भी अच्छी है। यहां के छात्रों की मेहनत से 8 से 9 पेटेंट हैं। केरल और बंगाल के छात्र बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं। आदि शंकराचार्य केरल से आते हैं। ज्ञान की गहराई वाले राज्य के छात्र आगे बढ़ रहे हैं। बनारस का अलग ही ज्ञान है। बनारस से लेकर केरल तक इंडियन ट्रेडिशन है।

वित्तमंत्री ने यूनिवर्सिटी के छात्रों से कहा कि अगर यहां से डिग्री लेकर आप कहीं जॉब भी करें जो आपके लिए शायद जरूरी है, तो भी आपके लिए विज्ञान पर काम करने के लिए समय निकालना मुश्किल नहीं है।

डेटा साइंस के क्षेत्र में रिसर्च की जरूरत है - निर्मला सीतारमण ने नई तकनीक के साथ रिसर्च करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डेटा साइंस के क्षेत्र में ज्यादा रिसर्च करने की जरूरत है। 4 जी नेटवर्क ने काफी परेशान किया है। आज 5जी की वजह से देशभर में अच्छी कनेक्टिविटी है। इंडिया आज एडवांस केमिस्ट्री के साथ काम रहा है। रीन्यूएबल एनर्जी के सेक्टर में ज्यादा स्कोप है। सोलर से पैदा होने वाली बिजली को स्टोर किया जा सकता है।

भोपाल में सीएम तो इंदौर में विजयवर्गीय करेंगे ध्वजारोहण

30 जिलों में मंत्री, 24 जिलों में कलेक्टर होंगे स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के चीफ गेस्ट

भोपाल (नप्र)। जिलों के प्रभारी मंत्री तय किए जाने के बाद अब राज्य शासन ने अब स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के चीफ गेस्ट तय कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के लाल परेड मैदान और नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर में ध्वजारोहण करेंगे। इंदौर के प्रभारी मंत्री सीएम मोहन यादव हैं, इसलिए सिर्फ इंदौर में विजयवर्गीय स्थानीय जिले में मुख्य अतिथि होंगे। बाकी मंत्रियों को गृह जिले के बजाय प्रभार के जिलों में मुख्य अतिथि बनाया है। मुरैना में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर चीफ गेस्ट होंगे, जिसका आदेश अलग से जारी किया जाएगा।

विवेक रंजन श्रीवास्तव को नाटक जलनाद पर राष्ट्रीय अलंकरण

भोपाल। विश्व वाणी संस्थान की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भोपाल के श्री विवेक रंजन श्रीवास्तव को उनके नाटक जलनाद पर राष्ट्रीय अलंकरण घोषित किया गया है। समारोह पूर्वक देश भर से आए अन्य साहित्यकारों के सम्मान आयोजन में 20 अगस्त 2024 को जबलपुर में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विवेक रंजन श्रीवास्तव को उनके एक अन्य नाटक हिंदोस्ता हमारा पर मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी का प्रतिष्ठित अलंकरण मिल चुका है। जलनाद में पौराणिक कथाओं में पानी के महत्व को रेखांकित करते हुए 12 एकांकी, रूपक, नृत्य नाटिकाएं रची गई हैं। विवेक रंजन श्रीवास्तव बहुविध लेखक तथा वरिष्ठ व्यंग्यकार और समीक्षक हैं।

भोपाल के कोलार से कल निकलेगी तिरंगा यात्रा

सीएम डॉ. मोहन यादव दिखाएंगे हरी झंडी; 30 किमी लंबी रहेगी यात्री

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार रोड स्थित मदर टेरेसा स्कूल से बुधवार को 30 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकलेगी। सीएम डॉ. मोहन यादव यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। वहीं, यात्रा में शामिल भी होंगे। करीब 500 स्वागत मंच सजाए गए हैं। विधायक रामेश्वर शर्मा समेत अफसरों ने मंगलवार शाम को प्रस्तावित तिरंगा यात्रा के रूट का निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत अखंड भारत संकल्प के साथ कर्मश्री के अध्यक्ष एवं विधायक शर्मा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकलेगी। बुधवार सुबह 10 बजे को कोलार के मदर टेरेसा स्कूल से निकलने वाली इस यात्रा के लिए नागरिकों में भी उत्साह है।

कोलार से संत नगर तक लगभग 30 किलोमीटर मार्ग पर 500 से अधिक स्वागत मंचों के माध्यम से नागरिक तिरंगा यात्रा का स्वागत करेंगे। कोलार से संत नगर तक होर्डिंग बैनर पोस्टरों, तिरंगों से पूरा तिरंगा यात्रा मार्ग को सजाया गया है।

शाम को निरीक्षण किया

तिरंगा यात्रा की भव्यता, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के लिए विधायक शर्मा समेत जिला एवं पुलिस अफसरों के साथ निरीक्षण किया।

एजेंटों की लड़ाई का खामियाजा भुगत रहे आवेदक

कामों की गति हुई कम, 75 प्रतिशत से अधिक आवेदक एजेंटों पर निर्भर

भोपाल (नप्र)। मुझे गाड़ी ट्रांसफर करानी है। कई दिनों से फाइल एक एजेंट को दी है। कई दिनों तक काम नहीं हुआ तो मैं खुद सोमवार को आरटीओ पहुंचा। तब एजेंट ने मुझे मेरी फाइल वापस दे दी। मैं कार्यालय में गया तो मुझे बताया कि चेसिस नंबर घिस लाओ, यह सब मुझे नहीं आता है, और ना ही वहां कोई मेरी मदद कर रहा था, इसलिए मैं वापस आ गया।

यह कहना है आवेदक का। उन्होंने कहा- मैं दूर रहता हूं। आरटीओ तक आना-जाना मुश्किल है, इसलिए एजेंट को फाइल दी थी, अब यह समझ नहीं आता काम होगा कैसे? मुझे कुछ दिन पहले पता चला था कि आरटीओ में काम नहीं हो रहे हैं। मगर कुछ लोगों ने बताया कि हो जाएगा, मगर मेरा खुद का अनुभव अच्छा नहीं रहा।

विवाद के बाद एजेंटों की फाइलें लेना बंद

8 अगस्त को आरटीओ परिसर में एजेंटों में विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि कुछ एजेंटों ने आरटीओ भोपाल परिसर में एक युवक की पिटाई कर दी थी।

हालांकि, इस मामले में कोई शिकायत नहीं हुई। लेकिन, आरटीओ के मौखिक आदेश पर एजेंटों की फाइलें आरटीओ में एक्सेप्ट करना बंद कर दीं थीं, जिसके बाद से आरटीओ भोपाल काम तो हो रहे हैं मगर इसकी तादाद बहुत कम है, रोजाना 250 से अधिक बनने वाले लाइसेंस सोमवार को सिर्फ 50 से अधिक ही बने। जानकारी के अनुसार आरटीओ भोपाल में आने वाले आवेदक की संख्या में करीब 75 प्रतिशत से अधिक आवेदक एजेंटों द्वारा आते हैं।

व्यवस्था आगे धीरे-धीरे बेहतर होगी: आरटीओ

आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि सभी आवेदकों का काम किया जा रहा है। यह व्यवस्था आगे धीरे-धीरे बेहतर होगी। वहीं, एजेंटों का कहना है कि दो लोगों की लड़ाई में पब्लिक का काम क्यों रोका गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय से तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में मरीजों की सुविधा को दी जाये प्राथमिकता : राजेंद्र शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार कार्य की योजना में मरीज़ों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाये। चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज के निर्माण की योजना में यह ध्यान रखा जाये कि अंतःसंबद्ध वार्ड और सुविधाएँ जिनमें मूवमेंट अधिक हैं, वे सहज संपर्क में हों तथा सुलभ आवागमन के पर्याप्त प्रावधान हों। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधोसंरचना विस्तार कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्य की प्रगति नियमित मॉनिटरिंग करें तदानुसार मैनपॉवर उपलब्धता और उपकरणों की व्यवस्था के लिए आवश्यक कार्रवाई समय से पूर्ण कर ले जायें। जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का समय से एवं विधिवत रूप से प्रदाय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सिंगरौली मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल, ज़िला चिकित्सालय मऊगंज, मैहर और सिंगरौली के निर्माण कार्यों की योजना और अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। रीवा मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रगतिरत एवं प्रस्तावित नवीन सुविधाओं के विकास कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण कुमार पिथोड़े, आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, अपर आयुक्त चिकित्सा शिक्षा डॉ पंकज जैन, एमडी बीडीसी श्री चन्द्रमोहन ठाकुर सहित निर्माण एजेंसी पीआईयू और बीडीसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यसभा निर्वाचन-2024

राज्यसभा निर्वाचन के लिये 14 अगस्त से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

3 सितंबर को होगा मतदान

भोपाल(नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश सहित 9 राज्यों में होने वाले राज्यसभा निर्वाचन के लिये विगत 7 अगस्त को अधिसूचना जारी कर दी गई है।

श्री राजन ने बताया कि राज्यसभा चुनाव के लिए प्रदेश में बुधवार, 14 अगस्त से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 26 अगस्त है। मतदान 3 सितंबर को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा। मतगणना एवं परिणाम की घोषणा भी इसी दिन की जाएगी।

कार्यों में लापरवाही पर करें कड़ी कार्रवाई : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

आरडीएसएस में स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें

भोपाल (नप्र)। रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूरा करायें। कार्यों में लापरवाही करने वाली एजेंसियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के क्षेत्र में आरडीएसएस में चल रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने केपेसिटर बैंक की स्थापना के कार्यों में लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि धीमी गति से काम क्यों हो रहा है। प्रत्येक कार्य का अलग-अलग एक्शन प्लान बनायें। साथ ही प्लान अनुरूप कार्यवाही करें।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि फीडर सेपरेशन का कार्य प्राथमिकता से करायें। भोपाल में अंडर ग्राउण्ड केबल बिछाने के कार्य की सतत् समीक्षा करें। ऊर्जा मंत्री ने विद्युत ट्रांसफार्मर, नये उप केन्द्रों की स्थापना, भूमिगत केबल अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मरों की स्थापना सहित अनके कार्यों की समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, एमडी मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कटर से महिला के 3 टुकड़े किए

अलग-अलग बोरियों में फेंके सिर, धड़ और कमर के नीचे के हिस्से; टैटू से पहचाना जा सका

गुना (नप्र)। गुना में 3 टुकड़ों में मिली महिला की पहचान झूना बाई तंवर (40) के रूप में हुई है। लाश के हाथ पर बने ए शेप के टैटू से महिला के पति शेरू सिंह निवासी सांडिल्य खेड़ी ने उसे पहचाना। शेरू चाचौड़ा में चौकीदारी करता है जबकि झूना बाई मजदूरी करती थी।

मामला चाचौड़ा बीनागंज के खातोली गांव का है। यहां बंद पड़ी सरकारी राशन दुकान के कैम्पस में सोमवार दोपहर को महिला की लाश 3 टुकड़ों में मिली थी। सिर, धड़ और कमर के नीचे का हिस्सा अलग-अलग बोरियों में बंद था। दो बोरियां प्लास्टिक और एक जूट की है। एसडीओपी दिव्या राजावत ने बताया, शव के टुकड़े कटर से किए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। ग्वालियर से आई एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है।

मर्डर कहीं और किया, लाश दुकान के पास फेंकी- सोमवार को लोगों ने राशन की दुकान के पास तीन बोरियां देखीं। इन पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बदबू भी आ रही थी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बोरियां खोलीं तो अंदर से शरीर के टुकड़े मिले। शव ज्यादा पुराना नहीं है। पुलिस का मानना है कि कुछ घंटे पहले ही हत्या की गई है।

तिरंगा यात्रा से चौतरफा जाम, कई इलाके हुए लॉक

पीक ऑवर्स में प्रभात चौराहा बंद, 4 घंटे भारत टॉकीज से एमपी नगर तक रहा जाम

भोपाल (नप्र)। तिरंगा यात्रा के कारण शहर के सबसे ज्यादा ट्रैफिक दबाव वाले प्रभात चौराहा पर सुबह 8 बजे से ट्रैफिक बंद कर दिया गया था। इससे प्रभात तक जाने वाले चारों रास्तों बोगदा पुल, आईटीआई तिराहा, रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 और सुभाष नगर में मेहता मार्केट पर ट्रैफिक जाम के हालात बनने लगे। दो घंटे बाद ये हालात और बिगड़ गए।

दोपहर 12 बजे तक एमपी नगर से लेकर बोर्ड ऑफिस, ज्योति टॉकीज, प्रगति पेट्रोल पंप चौराहा, चेतक ब्रिज, रचना नगर, बोगदा पुल, भारत टॉकीज ब्रिज तक ट्रैफिक जाम में लोग परेशान होते रहे। बारिश के कारण और परेशानी बढ़ गई। ऑफिस का समय होने के कारण सबसे ज्यादा खराब स्थिति सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक रही।

चेतक ब्रिज पर बीच सड़क गाड़ी छोड़कर ड्राइवर गायब हुआ

चेतक ब्रिज पर चारों तरफ का ट्रैफिक आने से वाहन बहुत बढ़ गए। लोगों ने सिगनल जंप करना शुरू कर दिया। चेतक ब्रिज से ज्योति टॉकीज के बीच एक कार चालक सड़क पर ही गाड़ी छोड़कर निकल गया। इससे और परेशानी बढ़ गई। वहीं प्लेटफॉर्म-1 से अशोका गार्डन तक रास्ता बंद होने से ट्रैफिक भारत टॉकीज पर शिफ्ट हुआ। इससे भारत टॉकीज ब्रिज और तिराहे पर दबाव बढ़ गया।

बोगदा पुल से रास्ता बंद होने से निकला ट्रैफिक का कचूमर

बोगदा पुल से प्रभात तक का रास्ता बंद होने के कारण यह पूरा ट्रैफिक जिंसी होते हुए मैदा मिल पर आया। इससे मैदा मिल और एमपी नगर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इस कारण बोर्ड ऑफिस से लेकर प्रगति पेट्रोल पंप, ज्योति टॉकीज और चेतक ब्रिज लॉक होने से ट्रैफिक रेंगते हुए चला। देर तक वाहन गुत्थम-गुत्था होते रहे।

इन रास्तों पर लगा ट्रैफिक जाम

आईटीआई तिराहे से प्रभात चौराहे का ट्रैफिक भेल के अंदर कॅरियर कॉलेज से होते हुए चेतक ब्रिज की ओर चलाया गया। यहां होशंगाबाद रोड, सुभाष नगर और रचना नगर से आने वाला ट्रैफिक चेतक ब्रिज पर लॉक हो गया। इससे आगे सिग्नल चालू होने के बाद भी ज्योति टॉकीज, बोर्ड ऑफिस और मैदा मिल पर वाहन फंस गए। मेहता मार्केट का ट्रैफिक रचना नगर आने के कारण रचना नगर अंडर ब्रिज लॉक हो गया।

'पति गाड़ी हटाने गए तभी लाइन चालू कर दी'

डॉक्टर की पत्नी ने कहा- जमीन में टूटा पड़ा था तार, शिकायत के बाद भी बंद नहीं हुई लाइन

हाईटेंशन लाइन टूटकर गिरने से हुई थी डॉक्टर की मौत

भोपाल (नप्र)। अशोका गार्डन के सुंदर नगर इलाके में तार गिरने से चारों तरफ आग लग गई। फिर लाइट बंद हुई तो बाहर निकले। तार नीचे पड़ा था, उन्होंने मुझे अंदर भेज दिया। लाइट बंद होने के बाद वे बाहर अपनी बाइक हटाने गए थे। उस दौरान फिर से लाइट चालू कर दी गई। हमने भी बिजली कंपनी को फोन किया। मगर लाइट बंद नहीं की। 2 घंटे तक फोन करते रहे, पुलिस भी लेट आई। बाहर बहुत भीड़ थी। फिर मुझे पता चला कि उन्हें अस्पताल ले गए हैं।

यह कहना है डॉ. उपेंद्र तिवारी का पत्नी नीलम तिवारी का। वह डॉ. उपेंद्र तिवारी के साथ अशोका गार्डन के सुंदर नगर इलाके में अपना होम्योपैथी क्लीनिक संचालित करती हैं।

डॉ. उपेंद्र तिवारी

बिजली कंपनी ने कहा- तुरंत मेंटेनेंस किया

गोविंदपुरा असिस्टेंट इंजीनियर जेसी कुश्वाहा ने कहा- हमारे पास लाइट बंद करने को लेकर किसी ने कॉल किया था। इसकी जानकारी नहीं है। समय-समय पर वहां मेंटेनेंस किया जाता है। रात को जब खबर आई तो हमने तुरंत ही उसका भी मेंटेनेंस किया है।

सड़क पर पानी भरा होने से करंट फैल गया

घटना सोमवार रात अशोका गार्डन के सुंदर नगर कॉलोनी में सोमवार रात 8 बजे की है। सड़क पर पानी भरा होने से करंट फैल गया। डॉ. उपेंद्र तिवारी बुरी तरह झुलस गए। उन्हें नजदीकी प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। यहां रात 10 बजे उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, डॉ. उपेंद्र तिवारी 80 फीट रोड, अशोका गार्डन के रहने वाले थे।

पत्नी डॉ. डिंपल तिवारी और वे सुंदर नगर में किराए की दुकान में क्लिनिक चलाते हैं। हर रोज की तरह रात 8 बजे क्लिनिक में प्रैक्टिस के लिए उपेंद्र पहुंचे। क्लिनिक के बाहर सड़क पर पानी भरा हुआ था। उपेंद्र क्लिनिक खोल ही रहे थे, तभी ऊपर से हाईटेंशन लाइन का वायर टूट कर गिर गया। डॉक्टर उपेंद्र तिवारी की शादी डॉ. नीलम तिवारी से करीब 8 साल पहले हुई थी, उनके कोई बच्चे नहीं है।

चश्मदीद ने बताया- बोर्ड पर हाथ लगाने से करंट लगा

चश्मदीद आशीष यादव ने कहा- रात करीब 10.30 बजे हाइटेंशन लाइन टूटकर नीचे गिर गई थी। उसके बाद डॉक्टर बाहर आए। फिर लाइट दोबारा चालू हो गई। डॉक्टर साहब ने बोर्ड पर हाथ लगाया जिससे उन्हें करंट लगा, और वे नीचे गिर गए। यहां एक लड़के ने उन्हें खींचकर दूर किया। उन्हें लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

संपादकीय

अब कोलकाता में 'निर्भया कांड'

देश के सबसे पुराने सार्वजनिक क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रात में रेप और जघन्य हत्या के बाद देश भर के डॉक्टरों का उबलना स्वाभाविक है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट ने इसे जांच के लिए सीबीआई को सौंपने के आदेश दे दिए हैं। यह राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने के आरोपों से घिरीं मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के लिए राहत की बात है। उन्होंने पहले ही कह दिया था कि यदि राज्य पुलिस इस जघन्य कांड के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई तो वो मामले की जांच सीबीआई को सौंप देंगीं। इस बीच इस घटना के आरोपियों को तुरंत पकड़ने तथा ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों की समुचित सुरक्षा की मांग को लेकर पूरे देश के डॉक्टर सोमवार को हड़ताल पर रहे। ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ जिस निर्मम तरीके से बलात्कार कर हत्या की गई है, वह रोंगटे खड़े करने वाली है। इस बीच जनाक्रोश के बीच कोलकाता पुलिस ने एक साइको किलर को गिरफ्तार किया है, जिसने अपना गुनाह भी कबूल कर लिया है। हालांकि आक्रोशित डॉक्टर इससे संतुष्ट नहीं है। उन्हें शक है कि यह कांड कराने के पीछे किसी भीतर के व्यक्ति का हाथ है। इस मुद्दे पर राज्य में विपक्षी भाजपा मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी को घेर रही है। हालांकि ममता यह कह चुकी थीं कि इस जघन्य मामले के आरोपियों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। इस संवेदनशील मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति को अलग रखें तो यह समूचा कांड 13 साल पहले दिल्ली में हुए निर्भया कांड की याद दिला देता है। उसमे भी नराधमो ने युवती के साथ बलात्कार कर उसकी नृशंस तरीके से हत्या कर दी थी। महाराष्ट्र में इसे अरूणा शानबाग केस के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें अरूणा नामक नर्स के साथ क्रूर बलात्कार किया गया था। उसके बाद वह कोमा में चली गई थी और बरसों इसी हाल में उसकी मौत हुई। कोलकाता का मामला तो और भी ज्यादा चिंताजनक इसलिए है, क्योंकि पीड़िता रात्रि में मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी कर रही थी। उसने सपने में नहीं सोचा होगा कि सरेआम कोई अस्पताल के रूम में घुसकर बलात्कार करेगा और बाद में हत्या कर देगा। अब सवाल यह है कि महिला डॉक्टर भी रात्रि में अस्पताल में सुरक्षित नहीं हैं तो फिर कहां सुरक्षित हैं? उधर पुलिस का कहना है कि हत्या व बलात्कार का आरोपी मानसिक रोगी है और पोर्न देखने का आदी है। लेकिन उसके अस्पताल में आने जाने पर कोई रोक नहीं थी। इसी का उसने फायदा उठाया और महिला डाक्टर को अकेले पाकर उसे दबोच लिया। वहां डॉक्टर को बचाने कोई नहीं आया। पुलिस का कहना है कि इस घटना में किसी तीसरी व्यक्ति के शामिल होने का कोई सुराग नहीं मिला है। लेकिन पुलिस के इस निष्कर्ष डॉक्टरों को भी भरोसा नहीं है। पूरा कांड किसी गहरी साजिश का हिस्सा भी हो सकता है। उधर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस मुद्दे पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से भेंट की है। जब तक जांच पूरी होकर सारी तस्वीर साफ नहीं हो जाती तब तक डॉक्टरों का आक्रोश नहीं थमेगा। दूसरे, हमारा सामाजिक नैतिक पतन कहां तक हो गया है, कोलकाता की घटना की बात का उदाहरण है। नशे और सेक्स के लिए लोग किसी भी हद तक गिरने को तैयार हैं। इंटरनेट पर परोसा जा रहा पोर्न ऐसी प्रवृत्ति को प्रोत्साहन दे रहा है। ऐसे जघन्य मामलों में भी कोर्ट द्वारा सजाएं दी जा रही हैं, लेकिन व्यवहार में उसका कोई सकारात्मक संदेश जनता के बीच नहीं जा रहा है।

नजरिया

राम पुनियानी

लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन् 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी अवॉर्ड से सम्मानित हैं।

अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया।

जाति जनगणना : सामाजिक न्याय की ओर कदम

हाल ही में हुए लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया. अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया. हालाँकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं. भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालाँकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है. राहुल गाँधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने काफी ज़ोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई. उन्होंने 'हलवा' (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं.

राहुल गाँधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर ('गोली मारो....' वाले) ने राहुल गाँधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है. इस मामले में राहुल गाँधी अनूठे व्यक्ति हैं - हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा. एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दकियानूसी तत्वों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है. ठाकुर की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया मगर प्रधानमंत्री ने उनके भाषण को ट्वीट कर उसका अनुमोदन किया.

जाति जनगणना आवश्यक है. कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी में हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है. अनुराग ठाकुर और नरेन्द्र मोदी जिस विचारधारा के हैं, वह विचारधारा सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है. यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है.

भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है. इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवाना आसान नहीं है. दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है. इस दिशा में पहला प्रयास जोतिराव फुले ने किया था. उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा, हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है. चूँकि दलितों को पढ़ने-लिखने नहीं दिया जाता था इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले. जातिगत पदक्रम को बनाये रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है. अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले. जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे.

अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया. दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी - जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है - उनकी सबसे बड़ी पीड़क है. इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ. ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही. उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे. दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया. उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना. हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है. आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के 'स्वर्णिम अतीत' के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है.

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीरे-धीरे समाज पर पड़ने लगा. इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया. आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को 'सरकारी दामाद' कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज़ हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं. यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है. ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया. माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा भड़क गयी. अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैं- 'शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आन्दोलन शुरू कर दिया.'

सन 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई. इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद् ने राममंदिर आन्दोलन के बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण अडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की.

वी.पी. सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया. ऊंची जातियां, मंडल आयोग के खिलाफ थीं. मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी. उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया. इस यात्रा को मंडल-विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ. मंडल का विरोध करने के लिए 'यूथ फॉर इक्वालिटी' जैसी संस्थाएं उभर आईं.

मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे. भाजपा के शीर्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा, 'वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए.' भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम-विरोध का जामा पहनाया. एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गिया. भाजपा का उद्देश्य है जातिगत उंच-नीच को बनाये रखते हुए हिन्दुओं को एक करना. मंडल पार्टियाँ कई मामलों में सफल रहीं मगर उनमें से कुछ ने अपने संकीर्ण हितों की खातिर मनु की राजनीति से समझौता कर लिया.

इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं. मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गाँधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं. विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है. इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है. जो जातियां आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाई हैं, उन्हें इसका लाभ दिलवाना सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक है. जहाँ इंडिया गठबंधन जाति जनगणना की मांग का खुल कर समर्थन कर रहा है वहीं एनडीए की मुख्य घटक दल भाजपा इस मांग की पूर्ति की राह में हर संभव रोड़ा अटकाएगी. इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन, सभाएं आदि कर इस मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है.

पर्यावरण

सुरेश भाई

लेखक 'उत्तराखण्ड सर्वोदय मंडल' के अध्यक्ष हैं। वे 'उत्तराखण्ड नदी बचाओ अभियान' से भी जुड़े हैं।

आपदाएं आत्महंता विकास के विकराल नमूने

इस बार जितनी देर से बारिश शुरू हुई है, उतनी ही जल्दी जानलेवा आपदा आ गयी है। जुलाई के अंतिम सप्ताह से चारधाम की सड़कें ध्वस्त होने लगी थीं। आवागमन के पैदल रास्ते भी नदी में समा रहे थे। भगवान केदारनाथ इतना क्रोधित हैं कि वे भी स्वीकृति नहीं दे रहे हैं कि लोग बरसात के समय बेवजह यात्रा करें। थोड़ा इंतजार करें, लेकिन मनुष्य ने तो प्रकृति पर पूरी तरह विजय करने की सोची है। वह हर घाटी से लेकर ऊंचे-से-ऊंचे पर्वत पर प्रतिकूल मौसम में भी बिना सोचे-समझे जा रहा है। जहां-जहां मनुष्य के कदम पड़ रहे हैं वहां धरती इतनी संवेदनशील बन गयी है कि अब उसे कोई नहीं बचा सकता।

ध्यान रहे कि चारधाम बरसात में सुरक्षित नहीं हैं। सुरक्षा के नाम पर जितनी भी घोषणाएं करें, वे मौसम के सामने बौनी पड़ रही हैं। यहां हर साल आपदा का आकार बढ़ता ही जा रहा है। 2013 की 'केदारनाथ आपदा' की तरह ही मंदाकिनी नदी में इस बार जल-प्रलय जैसा रूप लोगों ने देखा है। स्थिति इतनी विकराल बन गई थी कि 2 अगस्त तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर फंसे लगभग 4000 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया, जिसमें से लगभग 700 यात्रियों को 'हेलीकॉप्टर-सेवा' से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

मन्दाकिनी नदी में जल-स्तर बढ़ने से पैदल मार्ग पर रामवाड़ा में दो पुल और भीम बली में 25 मीटर रास्ता क्षतिग्रस्त होकर बह गया। यहां से केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को मुश्किल से बचाया जा सका है। पैदल मार्ग पर फंसे यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। यदि पहले मौसम के अलर्ट पर ऋषिकेश में ही यात्रियों को जाने से रोक देते तो समय और खर्च दोनों को रोका जा सकता था।

उत्तराखंड और हिमाचल में अब तक 22 लोगों की मौतें हो चुकी हैं जिनमें से 16 लोग उत्तराखंड में मलबे में दबकर मरे हैं और पांच लोग लापता हैं। हिमाचल में 6 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 53 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अब तक वहां पर 300 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। 2023 की आपदा में भी हिमाचल में 10,000 करोड़ का नुकसान हुआ था और लगभग 500 लोग मारे गए थे। इस बार अभी तक यहां दो पावर प्रोजेक्ट ध्वस्त हो गए हैं जिसके कारण दर्जनों लोग लापता है। आपदा की यह जानलेवा घटना कुल्लू, मंडी और रामपुर में अधिक हुई है।

हिमाचल की 445 सड़कें ठप्प पड़ी हैं जिनको खोलने के लिए राज्य सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में बाहर से आने वाले पर्यटकों ने आपदा की स्थिति को देखकर अपनी बुकिंग कैंसिल की है जिसके कारण पर्यटन कारोबार पिछले वर्ष की तरह प्रभावित हो गया है। कुल्लू-शिमला की सीमा पर समेजखड में आई बाढ़ में लगभग तीन दर्जन मकान बह गए हैं। यहां 6 बच्चों समेत 36 लोग लापता हैं। सात घंटे में सामान्य से 305 मिलीमीटर ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। लगभग 7 पुल बह गए हैं। सतलुज और ब्यास नदियों का जलस्तर खतरे के करीब पहुंचने लगा है। यहां पर श्रीखंड महादेव मार्ग पर करीब 250 लोग फंसे रहे हैं। रामपुर में आई बाढ़ से पांच घर, तीन गाड़ियां, पुल भी बह गये हैं।

शिमला में भी कई जगह भूस्खलन और भू-धंसाव की घटनाएं हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाएं सबसे अधिक विनाश का कारण बन रही हैं। 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी 24 जल-विद्युत परियोजनाओं ने मंदाकिनी और अलकनंदा घाटी का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित किया था जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। इसकी पुनरावृति फिर से देखी जा रही है।

जिला टिहरी गढ़वाल में बालगंगा और धर्मगंगा पर 26- 27 जुलाई की भीषण बाढ़ ने जो विनाश लीला रची है उसने केदारनाथ आपदा की याद ताजा कर दी है। यहां पर तीर्थ यात्रियों के लिए प्रसिद्ध बूढ़ा-केदारनाथ मंदिर भी है जिसके दोनों तरफ ये नदी बहती है। यहां 20 किमी के क्षेत्र में नदी तटों पर निर्माण कार्यों से एकत्रित मलवे के बहने से पैदा हुए भीषण जल-प्रलय से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि नष्ट हुई है। लोगों के होटल, मकान, गौशालाएं नदी में समा गये हैं।

यहां प्रसिद्ध समाजसेवी स्व.बिहारीलाल द्वारा बड़े बांध के विकल्प के रूप में 50 किलोवाट की एक छोटी पनबिजली परियोजना बनायी गई थी जो पूरी तरह मलवे में दब गई है। इससे आगे भी तीन मेगावाट की एक लघु जलविद्युत योजना भी ध्वस्त हो गई है। क्षेत्र के एक दर्जन पुल जर्जर हो चुके हैं। आवागमन के रास्ते टूट गए हैं। यहां पर तोली गांव में मां और बेटी की भूस्खलन में दबाकर मौत हुई है। इसी के पास तिनगढ़ गांव के घरों में मलबा जमा हुआ है। प्रशासन ने एक इंटर कॉलेज में राहत शिविर लगाया है जहां बाढ़ प्रभावितों को भोजन, पानी, रात्रि विश्राम की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बाढ़ पीड़ितों से मिल रहे हैं और राहत और पुनर्वास का आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन इन नदियों के दोनों तरफ पूर्व में आपदा से प्रभावित हुए लोग श्रीनगर, उत्तरकाशी और केदारनाथ की तर्ज पर पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं। यहां हालात बहुत चिंताजनक हैं। भारी बारिश के चलते डरे हुए माहौल में लोग रात गुजार रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए जिस तरह की न्यूनतम राशि की घोषणाएं अब तक हुई हैं उसके कारण लोगों में रोष है।

वहीं भिलंगना नदी की सहायक नैलचामी गाड के किनारे बसे हुए जखन्याली नौताड गांव में मिलने वाले एक गदेरे में रात को आई भीषण बाढ़ ने पति-पत्नी और उनके बेटे की जान ले ली। गांव की खेती, पशु और घरों को बुरी तरह नुकसान हुआ है। यहां पर 10 साल पहले भी बाढ़ आई थी। तब छह लोग मारे गए थे। गांव के घर मलबे में दब गये थे। इसके बावजूद शेष गांव के हिस्से को बचाने के प्रयास नहीं होने से वही पुनरावृत्ति हुई है। उत्तरकाशी में भागीरथी और यमुना नदी के उद्गम पर भी भीषण बाढ़ के दृश्य सामने आये हैं, लेकिन बाढ़-नियंत्रण के उपायों पर गंभीरतापूर्ण विचार नहीं हो रहा है।

हिमालय की भौगोलिक संरचना की अनदेखी करके अमल किए जा रहे विकास के तरीके विनाश के रास्ते पर ले जा रहे हैं। हर साल जल-प्रलय की बढती घटनाओं में बह रही मिट्टी, पानी, पत्थर, पेड़, लोग आदि की चिंता बरसात पूरी होने पर समाप्त हो जाती है। इसके बाद धरती-तोड़ विकास अनवरत चलता रहता है। फिर उसकी पुनरावृत्ति होती है जो भोगवादी विलासिता पूर्ण विकास का परिणाम है।(सप्रेस)

दो किलो सात सौ ग्राम का टारगेट...

कटाक्ष

डॉ. प्रदीप मिश्र

साथ गए सभी का बिल औरत जुर्बेकार थे। वजन तौलने वाली मशीन से घड़ी-घड़ी नापते रहे, लेकिन एक्सजट्रा वजन इन करतूतियों को नहीं दिखा। जब फॉरेन की मशीन से जाँच हुई तो हमेशा की तरह वही मचा, जिसे अपने यहाँ हाय-तौबा कहते हैं। बड़े साहब, छोटों पर और छोटे साहब, और छोटों पर चीख रहे थे।

-'उसे एक बूंद भी पसीना आया तो तुम्हाहरासस्पेंशन तय।'

-'अभी फोर्टीन अवर्स वाकी हैं। उसेबिना खाना-पानी दिएदौड़ाओ।'

- 'खिलाड़ी नेखुद की थूक भी निगली...तो आप पर अनुशासनात्मंक कार्रवाही हो जाएगी।'

-'चौदह घंटे में दो किलो सात सौ ग्राम का टारगेट फुलफिल होना चाहिए, बस।'

-'डोण्ट वरी सर, वी ऐचीव अवर टारगेट विथइन टाईम लिमिट।' साहबों के बीच आदेशों और जवाबों का रेला लगा था।

-'आफीसर तुम खिलाड़ी से जिस तरीके की इंसानियत दिखा हो, उससे कम होने की जगह वजन बढ़ न जाए। कपड़े छोटे करके वज़न कम कराइए। खून निकालकर, बाल काटकरज्जैसे भी हो ,मुझे मशीन पर फिक्ड्ड़ पचास किलो वजन चाहिए, बस।'बड़े साहब कुछ भी नहीं सुन रहे थे।

व्यस्त दिख रहे एक अफसर से हमने पूछा,' आपको पहले नहीं मालूम था कि वजन कितना होना चाहिएऔर कितना है? वजन बढ़ा कैसे?'

- 'क्या - कैसा था उसको भूल जाइए। हमारी ही कोशिशों से आखिरी में सौ ग्राम वजन एक्ट्राल बचा था। इतना तो चलेबल था ।'

-'चलेबल तो किलो भर भी होता है। हमारे मुल्क में सौ ग्राम तो तराजू की डंडी मारके ही बैलेंस हो जाता है?'

- 'देखिए चलता तो सब जगह सब है। लेकिन यहां हमारे अधिकारियों का वजन कम हो गया है ।'

- 'अधिकारी तो आप भी हैं।'

- 'हम तो छोटे कर्मचारी हैं। सवाल जिम्मोदारों से किए जाने चाहिए कि, बड़े साहब ! जब वजन बढ़ रहा था, तब आप किस होटल में बैठके मुर्गे की टांग चिंचोर रहे थे?'

-' बड़े साहब तो कह रहे हैं कि आप जिम्मेरदार हो।'

- ' अब मामला फंस गया तो छोटा कर्मचारी जिम्मेदार। जीतते तो फोटो खिंचाने के लिए साहब आगे होते।' छोटा अफसर उदास हो गया।

इस तरह टोपियाँ पहनाने की नूरा-कुश्ती शुरू हो गई है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ये नौकरी देने वाला एटीएम कब आएगा

हाल ही का समाचार है कि भुवनेश्वर में एक अनाज देने वाला एटीएम शुरू हो गया है। जो पांच मिनट में पचास किलो अनाज देता है। इसकी खूबी कि गल्ती होने की गुंजाईश दशमलव अंक में है। बड़ी उम्दा बात है। कम से कम उचित मूल्य दुकान की गरीबों के हिस्से के अनाज में डंडी मारने से तो छुटकारा मिलेगा। सबसे पहले दिल्ली में अस्सी नब्बे के दशक में मदर डेयरी का मिल्क एटीएम देखा तो आश्चर्य चकित हुआ था कि दूध वो भी एटीएम से निकल रहा है। इधर सिक्का डाला उधर दूध गिरना शुरू। हवाई अडडे में कई तरह के एटीएम मिल जाएंगे कोई चिप्स का पैकेट गिरा रहा है तो कोंई शीतल पेय की बॉटल दे रहा है। कंही सब्जी भाजी फल/फूल से फुल एटीएम भी है कि पैसा अंदर और मनपसंद सब्जी/फल बाहर । पेटस् फुड के एटीएम भी आ गए हैं। विदेश में कंही गोल्ड एटीएम का सुना तो लगा कि एटीएम का स्वर्णिम युग आ गया है। हैदराबाद में 'गोल्ड सिक्का एटीएम' 2022 में शुरू हुआ जो 100 ग्रम तक के स्वर्ण सिक्के भुगतान अंदर होने पर बाहर निकालता है। किसी ज्वैलर के यहां जाने की जरूरत ही नही। सेनेटरी नेपकिन्स एटीएम व कंडोम वेंडिंग मशीन तो पुरानी बात हो गई।

कल के दिन मेडिसिन एटीएम आ सकता है। राऊंड दा क्लॉक फार्मेसी खोलने की जरूरत नही ये एटीएम ज्यादा बेहतर सेवा दे पाएगा। सरकार सब तरह की सबको सुविधा दे रही है। बस देश के भविष्य कहे जाने वाले युवाओं की सालों की समस्या पर किसी का गंभीर ध्यान नही है।

हम शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। जीवन में कुछ कर गुजरने , आगे बढ़ने की बहुत आंकाक्षा है। ये नाना प्रकार के एटीएम के बारे में सुनकर जानकर मन प्रफुल्लित होता है।पर हमारे मन की बात है कि काश एक एटीएम ऐसा होता कि जिसमें हमारे जैसे शिक्षित युवा बेरोजगार इधर अपना रेज्यूम डालते और उधर नौकरी का ऑफर लेटर निकल कर आता। मान लिया कि मुश्किल काम है। लेकिन इतना मुश्किल भी नही है। बड़े बड़े उद्योगपति जो कि अपने यहां के एक विवाह समारोह में 5000 करोड़ फूंक देते हैं तो ऐसा एटीएम क्यों नही लगा सकते हैं। यह कुछ तो नौकरियां देगा। हां जब इस एटीएम की नौकरियों का कैश खत्म हो जाए तो व्यवस्था ऐसी व्यवस्था करे कि इसमें नौकरियों रूपी कैश फिर से भर दिया जाए।

मैं तो उम्मीद करता हूं कि सरकार जो कि सुबह उठते से रात सोते तक किसी न किसी रूप में टैक्स लेकर हमारे जेब में डाका डालती रहती है। कम से कम अपना नौकरियों का एटीएम शुरू कर दे। क्यों नही शुरू कर सकती। जीएसटी कलेक्शन लाखों करोड़ का हो रहा है। मुफ्त की रेवड़ी लाखों करोड़ की बांट रही है यहां कटौती कर दे तो हमे क्या नौकरी नही दे सकती । हम मुफ्त की कौन मांग रहे हैं आप जितना दोगे उसका दूना काम करके देने को तैयार हैं । बस हमे एक बार मौका तो दीजिए। अब हमारी उम्र चुकती जा रही है। आपका पर कैरियर उम्र के साथ चमकता जा रहा है। हमारे मन की बात है कि एक बार कोशिश मन से हो जाए।

हम शिक्षित युवा बेरोजगार हताश हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठ बैठ कर। ओला व उबर चला कर, जोमेटो, ब्लिंकट अमेजन के पार्सल डिलीवर कर करके हम थक गए हैं। हमे ठीक-ठाक नौकरी चाहिए क्योंकि हमारे पास खेती की जमीन नही। हमारे बापू का कोई व्यवसाय नही। कोई रिश्वती संचित दौलत भी नही कि हम ढंग का कोई व्यवसाय कर सकें। हमारे पास केवल डिग्री है। हम वादा करते हैं कि आप झाड़ू लगाने की, चौकीदारी की या कैसी भी नौकरी देंगे तो हम न नही करेंगे।

हम जनता का वोटों का एटीएम सतत अपना कार्य कर रहा है इधर हमारा वोट डलता है उधर आपकी सरकार आती है। लेकिन हर बार आश्वासनों के एटीएम से नौकरी निकलने का वादा वादा ही रह धरातल पर काम नही करता।

वो स्वर्णिम दिन कब आएगा ? जब होगा एक अदद एटीएम नौकरी का। हम इधर खुशी-खुशी रेज्यूम डालेंगे और उधर ऑफर लेटर बाहर आ जाएगा।

स्वतंत्रता का उद्घोष

हर्षवर्धन पाण्डे
लेखक पत्रकार हैं।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया

वेंकैया कई विषयों के ज्ञाता थे, उन्हें भूविज्ञान और कृषि क्षेत्र से विशेष लगाव था। वह हीरे की खदानों के विशेषज्ञ थे। वेंकैया ने ब्रिटिश भारतीय सेना में भी सेवा की थी और दक्षिण अफ्रीका के एंग्लो-बोअर युद्ध में भाग लिया था। यहीं यह गांधी जी के संपर्क में आये और उनकी विचारधारा से बहुत प्रभावित हुए। 1906 से 1911 तक पिंगली मुख्य रूप से कपास की फसल की विभिन्न किस्मों के तुलनात्मक अध्ययन में व्यस्त रहे और उन्होनें बॉम्वोलार्ट कंबोडिया कपास पर अपना एक अध्ययन प्रकाशित किया। वह पट्टी वेंकैया (कपास वेंकैया) के रूप में विख्यात हो गये।

अंग्रेजों की गुलामी से आज़ाद होने के लिए असंख्य लोगों ने अपना बलिदान दिया, उनमें से अनेक लोगों को आज हम विस्मृत कर चुके हैं। देश की आन, बान और शान तिरंगा किस तरह वजूद में आया ये भी आज शायद गिने चुने लोगों को याद होगा। तिरंगे झंडे का जब भी जिक्र आएगा तो पिंगली वेंकैया के नाम का नाम स्मरण किए बिना शायद वो अधूरा रहे।

पिंगली वेंकैया का जन्म 2 अगस्त, 1876 को वर्तमान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के निकट भाटलापेन्नुमारु नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम हनुमंतारायुडु और माता का नाम वेंकटरत्नम्मा था । मछलीपत्तनम से हाई स्कूल उत्तीर्ण करने के बाद वो अपने वरिष्ठ कैम्ब्रिज को पूरा करने के लिए कोलंबो चले गये। भारत लौटने पर उन्होंने एक रेलवे गार्ड के रूप में और फिर बेल्लारी में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में काम किया और बाद में वह एंग्लो वैदिक महाविद्यालय में उर्दू और जापानी भाषा का अध्ययन करने लाहौर चले गए।

वेंकैया कई विषयों के ज्ञाता थे, उन्हें भूविज्ञान और कृषि क्षेत्र से विशेष लगाव था। वह हीरे की खदानों के विशेषज्ञ थे। वेंकैया ने ब्रिटिश भारतीय सेना में भी सेवा की थी और दक्षिण अफ्रीका के एंग्लो-बोअर युद्ध में भाग लिया था। यहीं यह गांधी जी के संपर्क में आये और उनकी विचारधारा से बहुत प्रभावित हुए। 1906 से 1911 तक पिंगली मुख्य रूप से कपास की फसल की विभिन्न किस्मों के तुलनात्मक अध्ययन में व्यस्त रहे और उन्होनें बॉम्वोलार्ट कंबोडिया कपास पर अपना एक अध्ययन प्रकाशित किया। वह पट्टी वेंकैया (कपास वेंकैया) के रूप में विख्यात हो गये।

1899 से 1902 के बीच उन्होनें अफ्रीका के बायर युद्ध में भाग दिया वहीं पर उनकी मुलाक़ात महात्मा गांधी जी से हुई और वे उनके विचारों से बहुत अधिक प्रभावित हुए। स्वदेश वापस लौटने पर मुंबई में गार्ड की नौकरी में लग गए। इसी बीच मद्रास में प्लेग के चलते कई लोगों की मौत हो गई इससे उनका मन बहुत अधिक व्यथित हुआ और उन्होनें वह नौकरी छोड़ दी। वहाँ से मद्रास में प्लेग रोग उन्मूलन में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हो गए। पिंगली की संस्कृत, उर्दू और हिन्दी भाषा में अच्छी पकड़ थी। इसके साथ ही वो भू विज्ञान और कृषि के भी अच्छे जानकार थे। बात 1904 की है जब जापान ने रूस को हरा दिया। इस समाचार को सुनकर वो इतना प्रभावित हो गए कि उन्होनें जापानी भाषा सीख ली । पिंगली वेंकैया की संस्कृत, उर्दू व हिंदी आदि भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। इसके साथ ही वे भू-विज्ञान एवम कृषि के अच्छे जानकर भी थे।

1906 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता में हुआ जिसकी अध्यक्षता दादा भाई नौराजी ने की। इस सम्मेलन में दादाजी ने पिंगली के कार्यों की सराहना की। बाद में उन्हें राष्ट्रीय कांग्रेस का सदस्य मनोनीत कर दिया गया। कांग्रेस के इस अधिवेशन में यूनियन जैक फहराया गया जिसे देखकर पिंगली वेंकैया का मन द्रवित हो उठा। उसी दिन से वे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की संरचना में लग गए। 1916 में उन्होनें ए नेशनल फ्लैग आफ़ इंडिया नामक पुस्तक प्रकाशित की जिसमें उन्होनें राष्ट्रीय ध्वज के 30 नमूने प्रकाशित किए थे। महात्मा गांधी के खेड़ा सत्याग्रह ने पिंगली का मन बदल दिया। उसी दौरान उन्होनें अमरीका से कंबोडिया नामक कपास के बीज का आयात किया और इस बीज को भारत के कपास के बीज के साथ अंकुरित कर भारतीय संकरित कपास का बीज तैयार किया जिसे (उनके इस शोध कार्य के लिए) बाद में वेंकैया कपास के नाम से भी जाना जाने लगा। उधर ब्रिटिश सरकार ने पिंगली वेंकैया को रायल एग्रीकल्चर सोसायटी आफ लंदन के सदस्य के रूप में मनोनीत कर उनका गौरव बढ़ाया। पाँच साल बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक 1921 में विजयवाड़ा में हुई तो उसमें गांधी जी ने सभी को पिंगली के द्वारा तैयार राष्ट्रीय ध्वज के चित्रों की जानकारी दी। इसी बैठक में गांधी जी ने पिंगली के द्वारा

बनाए गए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता दी। इस संदर्भ में महात्मा गांधी के 'यंग इंडिया ' में अपने संपादकीय में 'अवर नेशनल फ़्लैग ' शीर्षक से लिखा राष्ट्रीय ध्वज के लिए हमें बलिदान देने को तैयार रहना चाहिए। मछलीपट्टनम के आंध्र कालेज के पिंगली ने देश के झंडे के संदर्भ में एक पुस्तक भी प्रकाशित की जिसमें उन्होनें राष्ट्रीय ध्वज से संबन्धित अनेक चित्र प्रकाशित किए। इसके बाद वह वापस मछलीपट्टनम लौट आये और 1916 से 1921 तक विभिन्न झंडों के अध्ययन में अपने आप को समर्पित कर दिया और अंत में वर्तमान भारतीय ध्वज विकसित किया। इसी बीच वहाँ पर वेंकैया साहब की मुलाकात महात्मा गाँधी जी से हो गई। वे उनके विचारों से काफी प्रभावित हुए, स्वदेश वापस लौटने पर मुंबई (तब मुंबई कों बम्बई कहा जाता था) में रेलवे में गार्ड की नौकरी में लग गए।

सन् 1916 में पिंगली वेंकैया ने एक ऐसे ध्वज की कल्पना की जो सभी भारतवासियों को एक सूत्र में बाँध दे। उनकी इस पहल को एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी जी का साथ मिला और इन तीनों ने मिल कर नेशनल फ़्लैग मिशन का गठन किया। वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से सलाह ली और गांधी जी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँधने का संकेत बने। पिंगली वेंकैया लाल और हरे रंग के की पृष्ठभूमि पर अशोक चक्र बना कर लाए पर गांधी जी को यह ध्वज ऐसा नहीं लगा कि जो संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व कर सकता है। राष्ट्रीय ध्वज में रंग को लेकर तरह-तरह के वाद-विवाद चलते रहे।

गांधी जी ने यंग इंडिया ' में अपने संपादकीय में आगे लिखा 'जब मैं विजयवाड़ा के दौरे में था उस दौरान पिंगली ने मुझे हरे और लाल रंगों से बने बिना चरखे वाले कई चित्र बनाकर दिये थे। हर झंडे की रूप रेखा पर उन्हें कम से कम 3 घंटे तो लगे ही थे । मैंने उन्हें एक झंडे के बीच में सफ़ेद रंग कि पट्टी डालने कि सलाह दी जिसका उद्देश्य था कि सफ़ेद रंग सत्य व अहिंसा का होता है। उन्होनें इसे तुरंत मान लिया'। इसी के बाद पिंगली द्वारा तैयार गया झंडा लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया।

अखिल भारतीय संस्कृत कांग्रेस ने सन् 1924 में ध्वज में केसरिया रंग और बीच में गदा डालने की सलाह इस तर्क के साथ दी कि यह हिंदुओं का प्रतीक है। फिर इसी क्रम में किसी ने गेरुआ रंग डालने का विचार इस तर्क के साथ दिया कि ये हिन्दू, मुसलमान और सिख तीनों धर्म को व्यक्त करता है। काफ़ी तर्क वितर्क के बाद भी जब सब एकमत नहीं हो पाए तो सन् 1931 में अखिल भारतीय कांग्रेस के ध्वज को मूर्त रूप देने के लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई। इसी साल कराची कांग्रेस कमेटी की बैठक में पिंगली वेंकैया द्वारा तैयार ध्वज, जिसमें केसरिया, श्वेत और हरे रंग के साथ केंद्र में अशोक चक्र स्थित था, को सहमति मिल गई। इसी ध्वज के तले आज़ादी के परवानों ने कई आंदोलन किए और 1947 में अंग्रेज़ों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया। भारतीय डाक विभाग ने 12 अगस्त 2009 को पूरे 46 बरस बीतने के बाद पिंगली पर 5 रू का डाक टिकट जारी किया।

आयोजन

सचिन गुप्ता

तथ्य आधारित स्मृति को बचाना लेखकों का काम

'स्मृति की राजनीति और लेखक का दायित्व' विषय पर बोलते हुए प्रो. प्रणय कृष्ण ने कही। वे जनवादी लेखक संघ इलाहाबाद इकाई के जिला सम्मेलन में अपने व्याख्यान में बोल रहे थे। सम्मेलन जनवादी लेखक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष हरीश चंद्र पांडे और प्रांतीय महासचिव नलिन रंजन सिंह की मौजूदगी में हुआ। प्रो. प्रणय कृष्ण ने कुछ प्रमुख रचनाओं जैसे नीलदेवी, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, देश की बात, लोग भूल गये हैं आदि को आधार बनाकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि विस्मृतियों के खात्मे की विधिवत शुरुआत औपनिवेशिक दौर से होती है।

सिंथेटिक स्मृति के गढ़न के दौर में तथ्य आधारित स्मृति को बचाना लेखकों का काम है क्योंकि शोर में कई बार तथ्य पिछड़ जाते हैं। आज के समय में जब सबसे ज्यादा ज़ोर स्मृति और उसके आस-पास चल रहे षड्यंत्र को लेकर है तब यह विषय बहुत जरूरी हो जाता है।

यह बात 'स्मृति की राजनीति और लेखक का दायित्व' विषय पर बोलते हुए प्रो. प्रणय कृष्ण ने कही। वे जनवादी लेखक संघ इलाहाबाद इकाई के जिला सम्मेलन में अपने व्याख्यान में बोल रहे थे। सम्मेलन जनवादी लेखक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष हरीश चंद्र पांडे और प्रांतीय महासचिव नलिन रंजन सिंह की मौजूदगी में हुआ। प्रो. प्रणय कृष्ण ने कुछ प्रमुख रचनाओं जैसे नीलदेवी, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, देश की बात, लोग भूल गये हैं आदि को आधार बनाकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि विस्मृतियों के खात्मे की विधिवत शुरुआत औपनिवेशिक दौर से होती है। 'नेशन' की अवधारणा गढ़न में स्मृति का बहुत बड़ा योगदान है। नीलदेवी, संपत्तिशास्त्र, देश की बात इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। आज के दौर की दिशा की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यहां यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि

सिर्फ आत्मघटित ही स्मृति नहीं होती बल्कि कई तरह के माध्यमों मसलन अखबार, किताबें, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों और सोशल मीडिया आदि द्वारा भी स्मृति रची जाती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में कई तरह से स्मृति को मिटाने की साजिश चल रही है। इतिहास की सच्चाई को न केवल छिपाया जा रहा है बल्कि उसके सामने झूठ का साम्राज्य खड़ा किया जा रहा है और पूरा षड्यंत्र इस बात को लेकर है जो सही बात है वो दब जाये।

मुख्य अतिथि कवि-आलोचक नलिन रंजन सिंह ने कहा कि जिस पन्ना धाय के आत्मबलिदान से उदय सिंह की जान बची थी उस पन्ना को कई सौ साल बाद चर्चा में स्थान मिला। इसलिए सही इतिहास को समझने की जरूरत है। अगर आप उसे नहीं समझेंगे तो फिर विस्मृति या फिर गलत स्मृति आप पर हावी हो जायेंगी। हिंदुस्तान की जो मिली जुली संस्कृति है आज उसे कायम और सुरक्षित रखने की बहुत जरूरत है। अध्यक्षीय वक्तव्य में वरिष्ठ कवि हरीशचंद्र पांडेय ने कहा कि राजनीति शब्द ही एक तरह से नकारात्मक हो गया है इस शब्द ने बहुत तेजी से अपने अर्थ को खो दिया है। स्मृति के दो रूप हैं सकारात्मक और नकारात्मक अब ये आप पर है कि आप उसके किस रूप को लेते हैं। अपने वक्तव्य में उन्होंने एक जिम्मेदार लेखक के कर्तव्य के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। इस सत्र का आभार ज्ञापन केतन यादव ने किया।

इसके बाद कविता पाठ का आयोजन किया गया जिसमें प्रियदर्शन मालवीय, संध्या नवोदिता, श्रीरंग, पूजा, केतन यादव, गोविंद निषाद, प्रज्ज्वल चतुर्वेदी, हर्षिता त्रिपाठी, श्रीकृष्ण नीरज, सबिता एकांशी, सचिन गुप्ता, तथा काव्यपाथ सत्र की अध्यक्षता कर रहे विवेक निराला ने काव्यपाठ किया। इस सत्र का संचालन सबिता एकांशी ने किया। बसंत त्रिपाठी ने आभार ज्ञापन किया।

सम्मेलन में इलाहाबाद इकाई के सचिव बसंत त्रिपाठी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में सर्वसम्मति नई कार्यकारिणी गठित हुई। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष विवेक निराला, उपाध्यक्ष शिवानन्द मिश्र, सचिव बसंत त्रिपाठी, संयुक्त सचिव सचिन गुप्ता, सविता एकांशी, कोषाध्यक्ष अनिता, कार्यकारिणी सदस्य संतोष चतुर्वेदी, लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता, अनुराग तिवारी व प्रज्वल चतुर्वेदी चुने गए।

विचार

पल्लवी सक्सेना
लेखिका साहित्यकार हैं।

अधीरता बनी व्यापार

इंसान की समस्याओं का समाधान किसी के पास नहीं है. क्यों...? क्यूंकि धैर्य किसी के पास नहीं है. भाग दौड़ भारी ज़िन्दगी में समय का अभाव इतना अधिक बढ़ गया है कि वेला बैठा व्यक्ति जो दिन भर सोशल मिडिया के माध्यम से बैठकर सिर्फ रील्स देखता है वह भी शांतिपूर्वक किसी एक विषय पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पता और तो और यदि उसे अपने ही फोन में कभी कोई एप ढूंढ़नी पड़ जाए तो वहां भी ऐसे लोग जल्दी से मिल जाए के चक्कर में सर्च करने लगते हैं...स्क्रॉल कर के कोई ढूंढ़ना नहीं चाहता. जाने किस बात की जल्दी है, यह शायद उन्हें भी नहीं पता. हाँ आपातकालीन स्थिति हो तो समझ में भी आता है. लेकिन आजकल फोकटिया लोग भी अपना समय बचाने की बात करतें हैं तो हँसी आती है.

आधुनिकता के इस दौर ने ना सिर्फ बच्चों का बचपन ही छीना है, बल्कि उसके साथ साथ बड़ों के धैर्य रखने की क्षमता को भी हर लिया है. वैसा देखा जाए तो इस सब की शुरुआत स्मार्ट फोन के आने से ही होने लगी थी. लेकिन अब यह विषय अपने चरम पर पहुँच चुका है. जिसका फायदा उठा रहा है सोशल मिडिया और वहां अपना ज्ञान बेंचते लोग. जो अब यह बहुत अच्छे से समझ चुके हैं कि इस 'सो कॉल्ड' अर्थात् 'तथा कथित' आधुनिक और प्रतियोगिता से भरे युग में इंसान अपनी तमाम परेशानियों से जूझते हुए अपना धैर्य पूरी तरह से खो चुका है. अब समस्याएं तो सभी के पास है. ऐसा कोई भी व्यक्ति इस धरती पर नहीं जन्मा जिसके पास समस्याएं नहीं है.

लेकिन इंसान की समस्याओं का समाधान किसी के पास नहीं है. क्यों...? क्यूंकि धैर्य किसी के पास नहीं है. भाग दौड़ भारी ज़िन्दगी में समय का अभाव इतना अधिक बढ़ गया है कि वेला बैठा व्यक्ति जो दिन भर सोशल मिडिया के माध्यम से बैठकर सिर्फ रील्स देखता है वह भी शांतिपूर्वक किसी एक विषय पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पता और तो और यदि उसे अपने ही फोन में कभी कोई एप्प ढूंढ़नी पड़ जाए तो वहां भी ऐसे लोग जल्दी से मिल जाए के चक्कर में सर्च करने लगते हैं...स्क्रॉल कर के कोई ढूंढ़ना नहीं चाहता. जाने किस बात की जल्दी है, यह शायद उन्हें भी नहीं पता. हाँ आपातकालीन स्थिति हो तो समझ में भी आता है. लेकिन आजकल फोकटिया लोग भी अपना समय बचाने की बात करतें हैं तो हँसी आती है.

खैर बात हो रही थी अधीरता की तो समस्या यह है कि लोग अपने जीवन की निजी परेशानियों से ही इतने परेशान है कि उन्हें अपनी समस्याओं का अपनी परेशानियों का हल भी तुरंत चाहिए. हर कोई बस

अपनी अपनी समस्या से या परेशानी से एकदम से मुक्ति हो जाना चाहता है कि जैसे बस कोई जादू हो जाए और सारी परेशानियां बस चुटकी बजाते ही समाप्त हो जाए, अब भला ऐसा कहीं होता है... ! लेकिन हर समस्या का हल होता जरूर है. जरूरत है तो सिर्फ धैर्य पूर्वक उस पर ध्यान केंद्रित करने की क्यूंकि जिस तरह 'सुख है तो दुःख भी है' जिस तरह 'दिन है तो रात भी है' जिस तरह 'विश्वास है तो अंधविश्वास भी है' ठीक वैसे ही जिस तरह 'समस्या है तो समाधान भी है'.

लेकिन कोई उस ओर देखना ही नहीं चाहता क्यूंकि समाधान का रास्ता अकसर बहुत लंबा और कठिन होता है और आजकल किसी को लम्बा रास्ता चाहिए ही कहाँ है, सभी तो जीवन में कोई ना कोई शॉटकट ढूंढ़ रहे हैं. बस यही वह वजह है, जिसने आपकी अधीरता को न जाने कितने लोगों का व्यापार बना दिया है. जिसके चलते सोशल मिडिया के लगभग हर प्लेटफॉम पर आपको जोतशी, तांत्रिक, आबा बाबा, धर्मगरु आदि देखने सुनने को बड़ी ही आसानी से मिल जाएंगे. वह भी लाखों प्रशंसकों एवं अनुयाइयों के साथ, जो देखो आपको आपकी समस्याओं का समाधान देता नज़र आएगा.'कोई टोटका बताएगा तो कोई उपाय' और तो और कोई ऐसा वैसा उपाय नहीं बल्कि धन वर्षा कराने वाला उपाय क्यूंकि वह यह भली भांति जानते हैं कि लोगों में मेहनत कर के धन कमाने की क्षमता होते भी नहीं है. कारण तकनीक ने लोगों को अपंग जो बना दिया है. सब बस यही चाहते हैं कि करना कुछ ना पड़े और धन की वर्षा होने लगे. तो आजकल बजाय परिश्रम करने के लोगों को उपाय करना अधिक आसान लगता है और बस इन जैसे तथा कथित 'सोश्ल मीडिया इंफ्लुएंजार' अर्थात् 'प्रभावकों' का मस्त धंधा चलता है. जो किसी भी विषय पर बात करते हुए आपको ऐसा प्रभावित करतें हैं कि उनके लाखों अनुयायी बन जाते हैं और उनमें से अधिकतर सब का विषय होता है 'स्त्री' या 'ज्योतिष शास्त्र' कभी -कभी तो ऐसा लगता है जैसे वहाँ कुछ लोगों ने ठेका ले रखा है लोगों को यह बताने का कि स्त्रियों को क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए.

वह भी ऐसे ऐसे लोग जिनकी बातों में उनकी खुद की निराशा, उनकी चिढ़ साफ साफ दिखायी देती हैं, उनकी कही बातों में साफ -साफ सुनाई देती है. जो खुद तो अपने रिश्ते नहीं संभाल पाते और खुद को आचार्य बताते हैं. वह सोश्ल मीडिया पर आकर स्त्री को गलत साबित कर देना चाहते हैं. खैर वह एक अलग विषय है उस पर चर्चा कभी ओर सही.

मैं तो कहती हूँ जितने भी बेरोज़गार लोग है उन्हें इन जैसे ढोंगियों से बहुत कुछ सीखना चाहिए...कि कैसे लोगों की कमजोरी का फायदा उठाकर, उन्हें बेवकूफ बनाकर, उनके मनोभावों से खेलकर, पैसा कमाया जा सकता है. वह केवल इसलिए ऐसा कर पा रहे हैं क्यूंकि उन्होने इंसान के अंदर की अधीरता को पकड़ लिया है वह जानते हैं कि आप अपनी समस्याओं से निजात पाने के लिए इतने अधीर हैं कि आप कुछ भी करने को तैयार हैं,फिर चाहे वह अंधभक्ति हो या फिर कुछ ओर क्यूंकि यदि ऐसा ना होता तो आप सोश्ल मीडिया पर कम और अपनी समस्या पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर पाते और आपको अपनी समस्या का समाधान खुद ही प्राप्त हो जाता. किसी और के पास जाने कि आपको आवश्यकता ही नहीं पड़ती.

लेकिन वह यही तो चाहते हैं कि आप अपना दिमाग ना लगाए और उनके पास जाएँ उन्हें सुने उनके अनुयाई बने, ताकि उनके प्रशंसकों के साथ -साथ उनके अनुयाई बढ़ते रहे हैं और उन्हें पैसा मिलता रहे. फिर चाहे आपको अपनी समस्या का समाधान मिले या ना मिले उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता. बस आपको केवल यही कला आनी चाहिए. बाकी तो लोग स्वयं ही बैठे हैं अपना समय बर्बाद करने के लिए.

स्वास्थ्य विभाग ने निकाली तिरंगा रैली

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के अनुपालन में स्वतंत्रता सप्ताह-2024 के अंतर्गत मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके द्वारा कार्यालय परिसर से तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली अम्बेडकर चौक, शिवाजी चौक, कलेक्टोरेट होते हुए लल्ली चौक

पहुंची, जहां पर मानव श्रृंखला बनाई गई। रैली बस स्टैंड, कारगिल चौक होते हुए वापस सीएमएचओ कार्यालय पहुंची।

डॉ.उईके ने बताया कि तिरंगा रैली का मुख्य उद्देश्य आजादी की 77 वीं वर्षगांठ, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान भावना, राष्ट्र भावना, राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक, राष्ट्र निर्माण में प्रतिबद्धता दिखाना है।

तिरंगा रैली में प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी प्रांजल उपाध्याय, डीपीएम डॉ.विनोद शाक्य, डीपीएचएनओ श्रीमती मुधमाला शुक्ला, डीसीएम श्री कमलेश मसीह, प्रभारी परिवार कल्याण श्री भगत सिंह उइके, आरबीएसके मेनेजर श्री योगेन्द्र दवंडे, सीपीएचसी सलाहकार कु.रेजिना जेम्स, एपीएम श्री प्रकाश माकोड़े, सेक्टर सुपरवाइजर कृष्णा पाटिल सहित अधिकारी, कर्मचारी, एएनएम टीसी की छात्राएं, स्कूली विद्यार्थी, शहरी आशा कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

झिरी शिव धाम तक पक्की सड़क निर्माण की मांग, मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/मुलताई। मुलताई विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों में से एक प्रभात पट्टन के समीप स्थित झिरी शिवालय लंबे समय से पहुंच मार्ग के अभाव में दुर्लभ बना हुआ है । पक्की सड़क न होने के कारण श्रद्धालुओं को झिरी धाम पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ।यह कहना है झिरी धाम से जुड़े शिव भक्तों का आज सड़क निर्माण की मांग को लेकर शिव भक्त श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री

के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंप कर शिव धाम झिरी तक पक्की सड़क के निर्माण की मांग की। जिसमें प्रणय पटेल, अश्विन बाराई, दुर्गेश सोने ने बताया कि बीते दिनों मुख्यमंत्री द्वारा तीर्थ क्षेत्र तक के मार्गो और सड़कों के पक्के निर्माण किए जाने की घोषणा की गई थी। जिनमें शिव धाम झिरी भी शामिल था, लेकिन अभी तक भी इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। वर्तमान समय में सैकड़ो भक्त कावड़ लेकर शिव धाम झिरी पहुंच रहे हैं। ऐसे में आवागमन की समस्या होती है। शिवरात्रि के अवसर पर शिव धाम झिरी में प्रतिवर्ष विशाल मेला लगता है जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं मार्ग की कठिनाइयों के कारण श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शासन प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार शिव धाम झिरी तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं बैतूल जिले के नवनियुक्त प्रभारी मंत्री से मिले विधायक देशमुख

बताई क्षेत्र की समस्या, नगर आगमन का दिया आमंत्रण

बैतूल / मुलताई। भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने नव नियुक्त जिला प्रभारी मंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल से भेंट कर उन्हें जिले का प्रभारी मंत्री नियुक्त किए जाने पर पुष्प भेंट कर बधाई दी उन्हें मुलताई विधानसभा की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और उन्हें पवित्र

नगरी मुलताई नगर आगमन का आमंत्रण दिया। भाजपा मीडिया प्रभारी राघवेंद्र रघुवंशी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के आदेश के तहत विभिन्न जिलों के लिए प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति की गई हैं। नरेंद्र शिवाजी पटेल के प्रभारी मंत्री नियुक्त होने पर जिले से उनको अनेकों बधाई संदेश के साथ शुभकामनाएं संदेश दिए जा रहे हैं। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने शिष्टाचार भेंट के दौरान उनसे मुलताई आने का न्यौता दिया और मुलताई विधानसभा के विकास के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। विधायक ने मुलताई विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता और हर घर को नल से शुद्ध जल की प्राप्ति से संबंधित सरकार की जनकल्याणकारी योजना पर चर्चा की साथ ही क्षेत्र के लिए चिकित्सा शिक्षा से संबंधित विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा की। इस पर प्रभारी मंत्री ने उनको पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया।

बीआर अंबेडकर कॉलेज में धूमधाम से मनाया हर घर तिरंगा कार्यक्रम

बैतूल। शहर के प्रतिष्ठित बीआर अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय में हर घर तिरंगा 2024 का कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के स्कॉलर्स एवं समस्त स्टाफ ने भाग लिया। तिरंगा रैली में भारत माता की जय, तिरंगे झंडे की जय आदि देशभक्ति के नारे लगाते हुए लोगों को घर-घर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के सभागार में कॉलेज संचालक ध्रुव अग्रवाल एवं संचालिका श्रीमती अंजना अग्रवाल की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें संगीत का शानदार आयोजन किया गया। इस अवसर पर गणितज्ञ दिलीप रावत एवं श्रीमती जूही रावत ने देशभक्ति के तराने वाले एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा बी एड स्कॉलर्स कुंती कहार, मनीषा कूदारे, मेघा राजपूत, सतीश सलामे, अंजू उइके, छाया नरवरे, रूपाली, फातिमा ने भी देशभक्ति गीत, भाषण, स्लोगन में भाग लेकर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वर्मा

सर ने कहा कि तिरंगा हमारे देश के आन-बान-शान तथा स्वाभिमान का प्रतीक है, हमें हर घर तिरंगा कार्यक्रम को एक उत्साह उत्सव के जैसे मनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देशमुख ने कहा कि हमारे देश के तिरंगे झंडे का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है, साथ ही इसके लिए सभी को प्रेरित भी करना चाहिए। इस कार्यक्रम में मंच संचालन कर रहे कॉलेज के वरिष्ठ डॉक्टर गावंडे ने कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

हाथों में तिरंगा लेकर निकलेगी कावड़ यात्रा, अमरनाथ यात्रियों का होगा सम्मान

कावड़ यात्रा से देशभक्ति और भाईचारे का संदेश, रुद्राक्ष और पौधों का वितरण

बैतूल। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त को नीलकंठेश्वर मंदिर, सदर शहीद दीपक यादव चौक से एक विशेष कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस बार की यात्रा खास होगी, क्योंकि इसमें तिरंगा लेकर कावड़ यात्री सोनाघाटी मंदिर तक पहुंचेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति और आपसी भाईचारे का संदेश देना है।

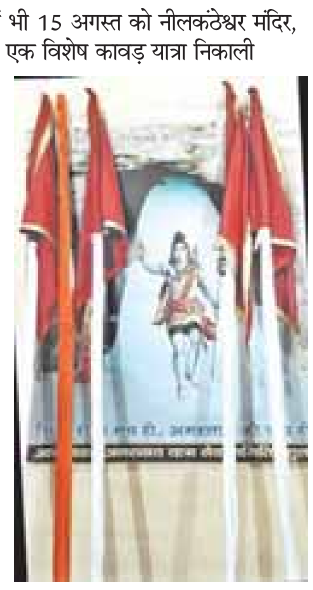

अमरनाथ सेवा समिति के शैलेंद्र बिहारिया और चंचल पांसे ने बताया कि यात्रा में अमरनाथ की यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं का सम्मान किया जाएगा। नीलकंठेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद, अमरनाथ यात्रियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा और सभी भक्तों को रुद्राक्ष भेंट किए जाएंगे। संयोजक पंजबराव गायकवाड और प्रीतम सिंह मरकाम ने बताया कि इस कावड़ यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं को शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होगी। समिति के काले महाराज ने सभी अमरनाथ यात्रियों, सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से अपील की है कि वे 15 अगस्त को इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नीलकंठेश्वर मंदिर में उपस्थित हों और इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनें।

पौधों का होगा वितरण

संस्था के सदस्य पिंकी भाटिया, दीप मालवी, मनोहर मालवी, जलदीप वर्मा, सुधाकर पाटनकर, महेश दादोड़े, मंगल पाटनकर, रणजीत देशमुख, दिलीप गीते, योगेश देशमुख, महेंद्र प्रजापति, हिमांशु सोनी, प्रकाश बंजारे, सुनील पाल, महेश वागद्रे, सुमित टीकरे ने जानकारी दी कि इस यात्रा में शामिल होने वाले भक्तों को बेलपत्र के पौधे भी वितरित किए जाएंगे। यह यात्रा धार्मिक और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देगी।

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर बैतूल में निकली तिरंगा रैली

स्वतंत्रता सप्ताह 2024 के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन

बैतूल। स्वतंत्रता सप्ताह 2024 के अवसर पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में 13 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य आजादी की 77वीं वर्षगांठ को सम्मानित करना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करना, और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में तिरंगे की महत्ता को रेखांकित करना था।

रैली की शुरुआत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रविकांत उइके द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। यह रैली मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय से प्रारंभ होकर अम्बेडकर चौक, शिवाजी चौक, कलेक्टर कार्यालय, लल्ली चौक, बस स्टैंड, जिला चिकित्सालय, कारगिल चौक होते हुए पुनः कार्यालय पर समाप्त हुई। लल्ली चौक पर मानव श्रृंखला बनाकर रैली ने राष्ट्रभक्ति का सशक्त संदेश दिया। इस तिरंगा रैली में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए, जिनमें प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी प्रांजल उपाध्याय, डीपीएम विनोद शाक्य, डीपीएचएनओ मुधमाला शुक्ला, डीसीएम कमलेश मसीह, प्रभारी परिवार कल्याण भगतसिंह उइके, आरबीएसके मैनेजर योगेन्द्र दवंडे, सीपीएचसी सलाहकार रेजिना जेम्स, एपीएम प्रकाश माकोडे, और सेक्टर सुपरवाइजर कृष्णा पाटिल प्रमुख थे।

इसके अलावा, रैली में एएनएमटीसी की छात्राएं, संजीवनी हायर सेकेंडरी स्कूल सदर बैतूल के छात्र, और शहरी आशा कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने अपने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का उत्साह प्रदर्शित किया, जिससे बैतूल की सड़कों पर राष्ट्रभक्ति का माहौल बना रहा।

यह है रैली का उद्देश्य- रैली का मुख्य उद्देश्य आजादी की वर्षगांठ को मनाने के साथ तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रतिबद्धता को भी व्यक्त करना था। यह आयोजन राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना को जागृत करने का एक प्रेरणादायक प्रयास था।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर एनयूएलएम में लगाए ध्वज स्टाल

बैतूल। आजादी के अमृत महोत्सव 78 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के हर नागरिक को अपने-अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किए जाने हेतु हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत बैतूल नगर पालिका के एन यु एल एम शाखा में स्टाल लगाकर ध्वज विक्रय किया जा रहा है। इस संबंध में एन यू एल एम शाखा के प्रभारी सिटी

मिशन मैनेजर हंसराज मसतकर ने बताया कि यह अभियान गत 9 अगस्त से 15 अगस्त तक के लिए संचालित किया गया है जिसके तहत ही एन यू एल एम शाखा कैंपस में स्टॉल लगाकर ध्वज का वितरण किया जा रहा है। ध्वज वितरण का कार्य नपा कर्मी दीपाली सिन्हा, अलका इवने और सीमा करोसिया द्वारा किया जा रहा है । श्री मसतकार ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत गत 11 अगस्त को नगर पालिका बैतूल के कर्मचारियों ने नगर पालिका से एक जुलूस भी निकाला था ।

आईसीएआई के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के लिए आमंत्रित हुए सीए सुनील हिरानी

युवा सीए के करियर को मिलेगा नया मार्गदर्शन, मेरिट में आए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का होगा सम्मान

बैतूल। नागपुर में 14 अगस्त को आईसीएआई की नागपुर ब्रांच द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक और बैतूल के प्रतिष्ठित सीए सुनील हिरानी को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और उनके परिजन भाग लेंगे, जहां हिरानी अपने अनुभव साझा करेंगे और मेरिट में आए छात्रों को सम्मानित भी करेंगे। यह कार्यक्रम नागपुर के वसंतराव नाइक मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित होगा, जिसमें लगभग 150 से अधिक नए बने युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और उनके परिजन शामिल होंगे।

युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए प्रेरणादायक होगा आयोजन- इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके करियर की शुरुआत में प्रेरित करना और मार्गदर्शन प्रदान करना है। सीए सुनील हिरानी, जिन्होंने अपने करियर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और वर्तमान में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, युवा सीए को अपनी अनुभवजन्य सलाह और सुझावों से प्रेरित करेंगे। उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन से कार्यक्रम को

एक नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

मेरिट में आए छात्रों का होगा सम्मान- कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मेरिट में आए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान समारोह होगा। इन होनहार छात्रों को सीए सुनील हिरानी के हाथों से सम्मानित किया जाएगा, जो उनके जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर एक यादगार क्षण होगा। इस अवसर पर, सीए हिरानी छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और कड़ी मेहनत की सराहना करेंगे, और उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देंगे।

परिचर्चा में होंगे विचार-विमर्श- कार्यक्रम के दौरान एक परिचर्चा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उनके परिजन, और सीए सुनील हिरानी के बीच संवाद स्थापित किया जाएगा। इस परिचर्चा का उद्देश्य पेशेवर जीवन की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करना है, जिससे नए सीए अपने करियर के प्रति और भी जागरूक हो सकें।

आईसीएआई नागपुर ब्रांच की पहल- आईसीएआई नागपुर ब्रांच द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह कार्यक्रम नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स व उनके परिवारों के लिए भी एक गर्व का क्षण होगा, जहां वे अपने बच्चों की सफलता का जश्न मना सकेंगे। यह आयोजन निश्चित रूप से चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में नए प्रवेश करने वालों के लिए एक प्रेरणादायक और यादगार अनुभव साबित होगा, जिसमें उन्हें देश के प्रमुख चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में से एक के अनुभव और मार्गदर्शन से लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।

स्कूली छात्रा से रेप के आरोपी को 20 साल की सजा

बैतूल। एक 14 वर्षीय नाबालिग स्कूली छात्रा से बलात्कार करने वाले आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 6500 रुपये जुर्माने से दंडित किया गया है। अनन्य विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) बैतूल ने यह सजा सुनाई। आरोपी संदीप पिता शांतिलाल नागले, उम्र-27 वर्ष, निवासी-थाना आमला, जिला-बैतूल को यह सजा सुनाई गई है। आरोपी को धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट समाहित धारा 376 (3) भादवि में 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5,000 रुपये जुर्माना, धारा 506 (2) भादंवि में 02 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1,000 रुपये जुर्माना एवं धारा 341 भादंवि के अपराध में 01 माह के कठोर कारावास एवं 5,00 रुपये के जुर्माने से दण्डित किया गया है। मीडिया सेल प्रभारी अमित कुमार राय ने प्रकरण की जानकारी देते हुए बताया कि 20 अगस्त 2021 को शाम 05.30 बजे पीड़िता स्कूल से

वापस अपने घर साइकिल से जा रही थी। इसी बीच रास्ते में आरोपी ने पीड़िता का रास्ता रोककर पीड़िता की साइकिल गिरा दी। आरोपी पीड़िता को गन्ने के खेत में लेकर गया और बलात्कार किया।

आरोपी ने पीड़िता को यह धमकी भी दी कि यदि उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो आरोपी उसे जान से खतम कर देगा। धमकी के कारण पीड़िता ने घटना के बारे में तुरंत किसी को नहीं बताया। घटना के समय पीड़िता का आरोपी का नाम नहीं जानती थी। कुछ दिनों बाद पीड़िता ने आरोपी को एक ढाबे में काम करते हुए देखा। पीड़िता ने उसका नाम पता लगाया। कुछ दिनों बाद पीड़िता बीमार हुई, तब उसे जिला चिकित्सालय बैतूल लेकर गये। वहां पता चला कि पीड़िता के गर्भ में एक शिशु है। पीड़िता ने जिला चिकित्सालय में मृत शिशु को जन्म दिया। इसके बाद पीड़िता ने थाना बैतूल बाजार में जाकर आरोपी के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। विवेचना के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

एप्रोच रोड को लेकर बंसल-ग्रामीणों में ठनी

बैतूल। बैतूल से इंदौर फोरलेन बनाने वाली बंसल कंपनी ने ग्रामीण क्षेत्र के पहुंच मार्ग पर एप्रोच रोड का निर्माण नहीं किया। पिछले दिनों दनोरा के पास हुए भीषण हादसे के बाद लोगों का आक्रोश चरम पर है। ग्रामीण अब आरपार की लड़ाई लड़ने के मूड में दिखाई दे रहे है। पिछले दिनों ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को जनप्रतिनिधि के माध्यम से शिकायत की थी। दो दिन पहले अधिकारियों की एक टीम ने दनोरा समेत आसपास एप्रोच रोड और रेम्प बनाने के लिए निरीक्षण किया। टीम ने रिपोर्ट बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपने की जानकारी दी है।

बैतूल-इंदौर फोरलेन पर डहरगांव, महदगांव, भोगीतेड़ा, दनोरा समेत अन्य ग्रामों में बंसल कंपनी ने सड़क बनाने के साथ एप्रोच रोड बनाने की बात कही थी। ग्रामीणों की माने तो बैतूल से हरदा तक कंपनी द्वारा फोरलेन का निर्माण किया जा चुका है, लेकिन एप्रोच रोड नहीं बनाने से ग्रामीणों के खेत में जाने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। कई मर्तबा इस संबंध में शिकायतें भी की, नतीजा सिफर निकला। ग्रामीणों ने बताया कि कंपनी के अधिकारी अब कह रहे है कि जहां से खेत जाना वहां से जाओ, रास्ता नहीं बनेगा। इससे सैकड़ों की तादाद में किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दनोरा के पास पिछले दिनों बड़ा हादसा हुआ था। इसकी वजह भी एप्रोच रोड के न बनना सामने आया। विधायक हेमंत खण्डेलवाल को भी इस संबंध में अवगत कराया था। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों से चर्चा करने का आश्वासन दिया था।

एनएचएआई के अधिकारी पहुंचे निरीक्षण करने- क्षेत्र के कृष्ण कुमार चौहान ने बताया कि विधायक के निर्देश पर एनएचएआई के जीएम और एसडीएम मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने एप्रोच रोड के लिए ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों ने जीएम और एसडीओ के साथ स्थल निरीक्षण किया। हालांकि अधिकारियों ने एप्रोच रोड बनाने का लेकर सहमति नहीं जताई। उनका कहना है कि नियम से अंडरपास बनाए जाते है। फोरलेन पर हर कहीं एप्रोच रोड बनाने का नियम नहीं है। हालांकि ग्रामीणों ने विकल्प के तौर पर दनोरा के पास होने वाले हादसों को देखते हुए रैम्प बनाने का आग्रह किया। इस पर दोनों अधिकारियों ने प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशुतोष सोनी को रिपोर्ट सौंपकर त्वरित निर्णय का आश्वासन दिया है। इस मौके पर जनपद सदस्य अखिलेश वाघमारे ने प्रमुखता से बात रखी।

जनहित याचिका के लिए हो रहा कलेक्शन- इधर ग्रामीण संभावित दुर्घटना क्षेत्र पर एप्रोच रोड या रेम्प बनाने के लिए जबलपुर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले है। जनपद सदस्य वाघमारे के मुताबिक अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद अधिवक्ता की 10 हजार की फीस के लिए ग्रामीणों से सहयोग मांगा जा रहा है। अब तक 8 हजार 500 रूपए एकत्रित हो चुके है। राशि जल्द ही पूरी होते ही हाईकोर्ट के अच्छे अधिवक्ता से संपर्क कर एप्रोच रोड के लिए याचिका लगाई जाएगी।

इनका कहना

चूंकि फोरलेन निर्माण में कई नियम रहते है। अंडरपास जरूरत पड़ने पर बनाते है, लेकिन हर कहीं एप्रोच रोड बनाने का नियम नहीं है। ग्रामीणों के साथ दनोरा पर एप्रोच रोड के लिए निरीक्षण किया। उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया है।

- मयूर जैन,
एसडीओ, एनएचएआई, बैतूल-इंदौर

शैक्षणिक ज्ञान के साथ कौशल विकास भी जरूरी : ऋतु खंडेलवाल

- **पिरियोडिक टेस्ट में टॉप टेन में आये विद्यार्थियों को किया सम्मानित**
- **टॉप स्टूडेंटस को करवाई इंडस्ट्री विजिट- आउटिंग**

बैतूल। विद्यार्थियों को अध्ययन सहित अन्य सह शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आर.डी.पब्लिक स्कूल बैतूल द्वारा अच्छा परफॉर्मेंस देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें आउटिंग कराने की अनूठी पहल की है। पीरियोडिक टेस्ट-1 परीक्षा में सभी कक्षाओं के टॉप टेन विद्यार्थियों को आरडी पब्लिक स्कूल प्रबंधन ने भारती एग्रो क्लस्टर महूपानी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित कर उन्हें इंडस्ट्री विजिट और आउटिंग कराई गई। आरडी

पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर ऋतु खंडेलवाल ने पीरियोडिक टेस्ट-1 में उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देकर करियर के संबंध में संवाद किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए शैक्षणिक ज्ञान के साथ कौशल विकास की भी आवश्यकता है।

तकनीक में हो रहे विकास का करें उपयोग- आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती खण्डेलवाल ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की सीख देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने आसपास हो रहे शैक्षणिक बदलाव एवं नए करियर के अवसरों पर भी ध्यान देना चाहिये। उन्होंने विद्यार्थियों से केडबरी सहित अन्य कंपनियों की कार्यशैली साझा की। आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर ने विद्यार्थियों से कहा कि अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए शैक्षणिक ज्ञान के साथ कौशल विकास की भी आवश्यकता है। इसलिए तकनीकि में हो रहे सतत विकास का जीवन में सदुपयोग करें। उन्होंने एप्पल कंपनी के संस्थापक स्वीट जॉबस का उल्लेख करते हुए बताया कि हमें हमारी सीमा से बाहर जाकर पहचान बनाने के लिए ठोस प्रयास करना होगा।

सम्मान कार्यक्रम के आयोजन एवं इंडस्ट्री विजिट- आउटिंग करवाने के लिए सभी विद्यार्थियों ने डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया।

राजस्व महाभियान में तेजी से करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण : कलेक्टर सिंह

स्वतंत्रता दिवस पर हर्षोल्लास और गरिमामय आयोजन के कलेक्टर ने दिए निर्देश, कृत्रिम गर्भाधान के एक लाख के लक्ष्य के लिए गंभीरता से करें कार्य

सीहोर (निप्र)। समय-सीमा पत्रकों के निराकरण के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को पूर्व से विभागीय लंबित आवेदनों के निराकरण करने और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए और कहा कि सभी विभाग अपनी विभाग की लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाइन की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन के गंभीरता से आमजन की शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने आगामी 17 अगस्त को कुबेरेश्वर धाम कावड़ यात्रा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में एसडीएम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने हर-घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार गतिविधियां आयोजित की जाएं। इसके साथ ही 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने राजस्व महाभियान की समीक्षा करते हुए सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के अंतर्गत प्रकरणों का तेजी से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी के कार्य में गति लाने के लिए ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर ई-केवाईसी किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वन व्यवस्थापन तथा वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन के संबंध में तेजी से कार्यवाही करने के राजस्व तथा वन अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान के एक लाख कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पशुपालन विभाग के अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी, वन मण्डल अधिकारी श्री मगन सिंह डाबर, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री नितिन टाले, श्री आनंद सिंह राजावत, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह, एसडीएम श्री जमील खान, श्री तन्मय वर्मा, स्वाति मिश्रा सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सभी जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

राजस्व महा अभियान में अधिक से अधिक प्रकरणों का करें निराकरण: कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व महा अभियान के तहत पूरी गंभीरता से अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि राजस्व महाभियान के तहत वह छुट्टी पर नहीं जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि आरसीएमएस के लंबित 541, ई-केवाईसी 58778, राजस्व महाभियान 2.0 के अंतर्गत नवीन दर्ज प्रकरणों के अंतर्गत नामांतरण के 2079, बंटवारा 158, अभिलेख दुरुस्तीकरण के 243 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। नक्शा तरमीम के 39047 प्रकरण निराकृत किए गए।

मूंग उपार्जन: मूंग उपार्जन की समीक्षा के दौरान बैठक में जानकारी दी गई कि कुल 70 हजार मेट्रिक टन मूंग की खरीदी की गई है। यह मूंग 25500 किसानों से खरीदी गई है। बैठक में जानकारी दी गई कि किसानों को 335 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिन किसानों का भुगतान शेष रह गया है, उन्हें तत्काल भुगतान किया जाए।

दस्तक अभियान में 64851 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग: दस्तक अभियान के तहत कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप बच्चों की स्क्रीनिंग की जाए तथा कुपोषण पाए जाने पर उन्हें एनआरसी में भर्ती किया जाए। दस्तक अभियान के तहत अभी तक शून्य से 05 वर्ष के 64851 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने दस्तक अभियान के संचालन में सहयोग करने वाले सभी विभागों को समन्वय कर अधिक से अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने रेल, नेशनल हाईवे परियोजनाओं सहित अन्य शासकीय कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण तथा मुआवजा वितरण की समीक्षा करते हुए राजस्व विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यवाही तेजी से की जाए ताकि परियोजनाओं का कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम नवीन बस स्टेंड परिसर में होगा

सुबह सवेरे सोहागपुर

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह 15 अगस्त को प्रातः 9बजे होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष जालम सिंह पटैल ध्वजारोहण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमति लता यशवंत पटैल करेंगीं। कार्यक्रम में प्रातः 9 से 9:05 तक ध्वजारोहण, ध्वज सलामी एवं राष्ट्रगान9:05 से 09:10 मध्यप्रदेश गान, गुब्बारे छोड़ना 9:20 मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन , 9:30 तक सरस्वती वंदना के उपरांत प्रातः 10:15 तक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण। अंत में आभार व्यक्त एवं समापन। उक्त आशय की जानकारी अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत ने सुबह सवेरे को दी। इसी क्रम में नगर पंचायत परिषद परिसर में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल ध्वजारोहण करेंगी। उक्त आशय की जानकारी नगरपालिका अधिकारी जीएस राजपूत ने सुबह सवेरे को दी।

लोकतंत्र सेनानियों के दिवंगत होने पर अंत्येष्टि के लिए अब दस हजार रूपये दिये जायेंगे

सीहोर (निप्र)। लोकतंत्र सेनानियों के दिवंगत होने पर अंत्येष्टि के लिए प्रदाय की जा रही वर्तमान राशि 8 हजार रूपये में वृद्धि कर 10 हजार रूपये किये जाने एवं दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों की राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि किए जाने की मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृति दी गई है। अंत्येष्टि के लिए सहायता राशि में वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान नियम 2018 की कंडिका 5(2) में संशोधन तथा राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि किये जाने के लिए नवीन कंडिका 5(3) प्रतिस्थापित की जाने की अनुमति दी गयी है।

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर दिया गया है ओटीआर का नया विकल्प

सीहोर (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा पीएम यशस्वी योजना अंतर्गत नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन करते समय ओटीआर का नया विकल्प दिया गया है। साथ ही इसके बारे में जिले की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं को अवगत कराने के निर्देश दिए गए है, जिससे विद्यालयों में अध्ययनरत OBC/EBC/DNT वर्ग के विद्यार्थियों को एनएसपी 2.0 पोर्टल पर आवेदन एवं छात्रवृत्ति संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड से मिलेगी उन्नत खेती के बारे में जानकारी

सीहोर (निप्र)। किसान समृद्ध हो, आधुनिक रूप से खेती करें, खेती के उन्नत तरीके की जानकारी किसान को होना आवश्यक है। अपने खेत में कौन सी फसल बोएंगे तो फसल उत्पादन का अच्छा परिणाम प्राप्त होंगे। मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाये जा रहे है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को यह भी जानकारी दी जायेगी कि उनके खेत की मिट्टी में कौन-कौन से तत्वों की कमी है, जिसके कारण अच्छी फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा है। किसान को अच्छी पैदावार के लिये किन तत्वों की आवश्यकता है इसकी जानकारी विस्तृत रूप से किसानों को दी जायेगी। मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग किसानों के लिये लाभदायक सिद्ध होगा।

महाविद्यालयीन एवं विद्यालयीन बालिकाओं के सम्मान एवं संवाद का कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा महाविद्यालयीन एवं विद्यालयीन बालिकाओं के सम्मान एवं संवाद का कार्यक्रम रवीन्द्र भवन भोपाल में प्रातः 11:30 बजे से आयोजित किया गया। जिले के पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टॉफ सहित विद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

जिले के कुल 17 अस्पताल राष्ट्रीय गुणवत्ता के मानक में चयनित हुए

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के नेतृत्व में जिले के कुल 17 स्वास्थ्य केन्द्र राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक में उत्तीर्ण हुए है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले हरदा जिले की कोई भी स्वास्थ्य संस्था एन.क्यू.ए.एस. उत्तीर्ण नहीं थी।

आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा कार्यवाही जारी

विदिशा (निप्र)। आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थो के सैम्पल जांच हेतु एकत्रित किए जाने कु कार्यवाही जारी है। जिसके तहत आज भी गई कार्रवाई के दौरान विमला डेयरी हरिपुरा, विदिशा से गाय का दूध, श्याम स्वीट्स बंटी नगर चैराहा विदिशा से मावा, मलाई बर्फी, पेड़ा,दही एवं राजपूत रेस्टोरेंट बंटी नगर विदिशा से मावा, मलाई बर्फी, मगज के लड्डू आदि के सैम्पल जांच हेतु एकत्रित किए गए हैं। उक्त सभी सैम्पल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गये है, जिनकी जांच रिपोर्ट आने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं व मिठाई विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए गए है कि मिठाई को ढंक के रखना, साफ सफाई से खाद्य सामग्री तैयार करना। गंदगी पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारकर्ता (दूध विक्रेता, डेयरी संचालक, दूध एवम दूध पदार्थ का परिवहन करने वाले, किराना व्यापारी , फल सब्जी विक्रेता, खाद्य पदार्थ थोक विक्रेता, फुटकर विक्रेता, चाय नाश्ता की दुकान, हॉकर, आदि) को खाद्य लाइसेंस, पंजीयन लेना अनिवार्य है। बिना खाद्य लाइसेंस, पंजीयन के व्यापार करना अपराध है।

हर-घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में आयोजित की जा रही अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार जिलेभर में हर-घर तिरंगा अभियान के तहत अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान क तहत जिलेभर में तिरंगा रैली, तिरंगा यात्राएं, तिरंगा सभाएं , तिरंगा रंगोली, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा पेंटिंग, तिरंगा पोस्टर आदि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हर घर तिरंगा अभियान के तहत शाहगंज एवं बुधनी के अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास की बालिकाओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत रैली निकाली गई। इसी प्रकार इछावर एवं बुधनी में अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास की बालिकाओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान तहत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ग्राम मोलगा में नवांकुर संस्था गोलखेड़ी द्वारा हर घर तिरंगा यात्रा रैली आयोजित की गई। इसी प्रकार भैरूंदा के ग्राम सतदेव में विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। साथ ही अनेक कार्यालयों द्वारा हर-घर तिरंगा अभियान थीम पर आधारित स्वागत द्वार बनाए गए है।

जनसंख्या स्थिरता माह के अंतर्गत 516 महिला व 18 पुरूषों को प्रदान की गई सेवाएं

सीहोर (निप्र)। जनसंख्या स्थिरता माह के तहत 516 महिलाओं तथा 18 पुरुष हितग्राहियों को नसबंदी की सेवाएं प्रदान की गईं। जनसंख्या स्थिरता माह के दौरान विशेष नसबंदी सर्जन तथा विभागीय कर्मचारियों द्वारा फिक्स डे शिविरों का आयोजन कर परिवार कल्याण के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की सेवाएं प्रदान की गई हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी दी कि जनसंख्या स्थिरता माह के दौरान जिले के सभी संस्थाओं में परिवार कल्याण के अस्थायी साधनों के अंतर्गत 539 महिलाओं को आईयूसीडी की सेवाएं प्रदान की गईं। 392 महिलाओं को पीपीआईयूसीडी लगाई गईं। 6 महिलाओं को पोस्ट अर्बाशन आईयूसीडी की सेवाएं प्रदान की गईं। 177 महिलाओं ने दो बच्चों में अंतर रखने के लिए अंतरा इंजेक्शन लगवाया। छाया टेबलेट 2476 हितग्राहियों को वितरित की गई एवं अन्य सेवाएं प्रदान की गई हैं। मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार कल्याण के स्थायी साधनों में प्रसव के तुरंत पश्चात अथवा 7 दिवस के भीतर महिला नसबंदी कराने पर 3 हजार रूपए तथा सामान्य परिस्थिति में कराने पर 2 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि हितग्राही के खाते में प्रदान की जाती है। पुरूष नसबंदी कराने पर हितग्राही पुरूष को 3 हजार रूपए की राशि उनके खाते में प्रदान की जाती है। पीपीआईयूसीडी लगाने पर 150 रूपए तथा अंतरा इंजेक्शन लगाने पर प्रत्येक अंतरा इंजेक्शन पर 100 रूपए हितग्राही को उनके खाते में प्रदान किए जाते है।

15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के स्क्रेपिंग के लिये तीन केन्द्र

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन के स्वामित्व के 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को तथा फिटनेस परीक्षण में असफल रहने वाले निजी वाहनों को सुव्यवस्थित रूप से स्क्रेप कराने के लिये परिवहन विभाग द्वारा वाहन स्क्रेपिंग सुविधा केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। वर्तमान में भोपाल जिले में दो तथा इंदौर जिले में एक रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी केन्द्र प्रारंभ हो चुके है। रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी केन्द्र के माध्यम से आम नागरिकों द्वारा वाहन स्क्रेप कराने को प्रोत्साहित करने के लिये उनके द्वारा नवीन वाहन क्रय करने पर मोटरयान कर में 15 प्रतिशत और गैर परिवहन यान के लिये 25 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। राज्य में पंजीकृत किन्ही भी प्रवर्ग तथा किसी भी आयु सीमा के मोटरयानों के लिये, जिन पर किसी मोटरयान कर या शास्ति की शोध्य राशि पर 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदाय की गई है। इस योजना के माध्यम से 600 वाहनों से 57 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया है।

कॉल सेंटर की स्थापना : व्यावसायिक वाहन मालिकों को वाहनों के टेक्स, परमिट, फिटनेस आदि की जानकारी देने के लिये परिवहन विभाग द्वारा एक कॉल सेंटर बनाया गया है, जिस पर फोन कर वाहन मालिक अपने वाहन से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। विभाग में नागरिकों की सुविधा के लिये ई-सेवा प्रारंभ की गयी है। नागरिक परिवहन विभाग की वेबसाइट www.transport.mp.gov.in पर वाहन संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है।

दिव्यांग यात्रियों को किराये में छूट: यात्री वाहनों में दिव्यांग को किराये में 50 प्रतिशत की छूट प्रदाय की जा रही है। इसके साथ सार्वजनिक परिवहन से उनके लिये एक सीट भी आरक्षित की गई है। विभागीय गतिविधियों एवं जनसामान्य के उपयोग में आने वाले फार्म प्रचलित नियमों और इससे संबंधित सामग्रियों को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिये विभाग की वेबसाइट www.transport.mp.gov.in पर प्रदर्शित किया गया है।

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने की सीएम हेल्पलाईन तथा विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा समय सीमा वाले शासकीय पत्रों तथा सीएम हेल्पलाईन की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री दुबे ने हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि नागरिक अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएं, इसके लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। साथ ही 13 तथा 14 अगस्त को आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में भी चर्चा की। कलेक्टर श्री दुबे ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए डी तथा सी ग्रेड वाले विभागों के अधिकारियों को आगामी सात दिवस में अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। साथ बी ग्रेड में शामिल विभागों के अधिकारियों को भी और अधिक मेहनत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि कार्यालय स्तर पर प्रतिदिन सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही की समीक्षा करें तथा प्रगति से अवगत भी कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की जानकारी लेते हुए समारोह के गरिमामय और व्यवस्थित आयोजन हेतु सभी तैयारियां पर्याप्त समय पहले पूर्व करने तथा रिहर्सल किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि सहित अन्य विभागों की गतिविधियों तथा योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

युवाओं ने नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने की शपथ ली

विदिशा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के आव्हान पर 12 अगस्त को पूरे देश में एक साथ नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन और सहयोग से सामाजिक संस्था अजंता ललित कला एवं समाज कल्याण समिति द्वारा साकेत एमजीएम सीनियर सेकेंड्री स्कूल में स्कूली बच्चों और युवाओं ने नशा मुक्त भारत अभियान बनाने को सफल बनाने हेतु शपथ ली।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तेजी से नशे के गर्त में जा रही है। जिसे संवारने हेतु जागरूक करने की महती आवश्यकता है, उन्होंने बच्चों को नशा ना करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सदाचरण और किताबें पढ़ने और उज्ज्वल भविष्य बनाने का नशा करना चाहिए। जिससे ना केवल उनका अपना भविष्य बनेगा बल्कि वे देश के विकास में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने आधुनिक

बच्चों और युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत का संकल्प

प्रकार के नशा करने की तकनीक को रेखांकित करते हुए स्कूली बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन ने कहा कि आज के बच्चे देश का भविष्य हैं, जो नशा मुक्त होकर ही अपना भविष्य सुधार सकते हैं। उन्होंने बच्चों से ना केवल नशामुक्त होने का आव्हान किया बल्कि आस पड़ोस और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोगी बनने का आव्हान किया।

कार्यक्रम में साकेत एमजीएम स्कूल के डायरेक्टर डॉक्टर कुशाग्र दीक्षित ने बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाते हुए नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। कार्यक्रम में साकेत स्कूल के डायरेक्टर श्री संजय पांडे ने भी बच्चों को नशे से दूर रहने और ईमानदारी से आदर्श विद्यार्थी बनने का आव्हान किया।

कार्यक्रम का संचालन श्री वेद प्रकाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा आजादी के महापर्व की बेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी विद्यालय के प्राचार्य ने सभी अतिथियों तथा विभाग कके प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएम फसल बीमा योजना की अंतिम तिथि बढ़ाकर 25 अगस्त की गई

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ-2024 के फसल बीमा लाभ के लिए शासन द्वारा अधिसूचित क्षेत्र की अधिसूचित फसलों पर ऋणी, अऋणी एवं डिफाल्टर कृषकों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त से बढ़ाकर 25 अगस्त 2024 निर्धारित की गई है। जो कृषक फसल बीमा कराने से वंचित रह गए हैं वह अपना आवेदन भरकर आधार कार्ड, बही की छायाप्रति, बचत बैंक खाता की छायाप्रति एवं खरीफ के लिए निर्धारित बीमित राशि का 2 प्रतिशत, हेक्टर प्रीमियम के साथ आवेदन संबंधित राष्ट्रीयकृत बैंक, जिला सहकारी बैंक मर्या. या निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर में जमा कराकर फसल बीमा का लाभ प्राप्त कर सकते है। किसानों का फसल बीमा संबंधित बैंक शाखा द्वारा अनिवार्य रूप से करा दिया जाता है एवं अऋणी कृषक फसल बीमा के लिए बैंक, एमपी ऑनलाइन जन सेवा केन्द्र सीएससी एवं प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों के माध्यम से अपनी फसलों का बीमा करा सकते है। अऋणी किसानों को बीमा कराने के लिये आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड (नवीनतम), मोबाइल नम्बर, बैंक पासबुक जिसमें किसान का नाम, खाता संख्या, आईएफएससी कोड स्पष्ट हो, खसरा बी-1 (नवीनतम), खसरा बोई गई फसल का प्रमाणित बुआई प्रमाण पत्र, किरायेदार किसान के लिए किरायानामा का शपथ पत्र के साथ निकटतम सीएससी केन्द्र, बैंक अथवा प्राथमिक सहकारी ऋण समिति से करा सकते है।

राइट क्लिक

बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर एकजुट प्रतिरोध के मायने...

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क- 9893699939
ajaybokil@gmail.com

पड़ोसी बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद हुए हिंसक प्रदर्शनों के बीच वहां के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों, उनके धर्म स्थलों को जलाने तथा कई हिंदू नेताओं की हत्या के बाद वहां के हिंदुओं ने जिस हिम्मत और धार्मिक प्रतिबद्धता के साथ राजधानी ढाका और कई शहरों में प्रदर्शन किया, अपने मानवाधिकारों की रक्षा की गुहार की तथा अपनी मांगें नई सरकार के सामने रखीं, उसे नई वैश्विक हिंदू चेतना के आलोक में देखा जाना चाहिए। इन साहसपूर्ण प्रदर्शनों का असर यह हुआ कि संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय सहित दुनिया के कई शहरों में हिंदू सड़कों पर उतरे और अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए शांतिपूर्वक मांग की। दुनियाभर में संदेश गया कि हिंदू भी उतने ही पीड़ित हैं जितने कि अन्य अल्पसंख्यक समुदाय। इस वैश्विक दबाव का थोड़ा तो असर हुआ और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हिंदुओं की रक्षा का वचन दिया। इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बांग्लादेश के अंतरिम के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस को शपथ ग्रहण पर बधाई संदेश में वहां के हिंदुओं की रक्षा करने की अपील की थी। बांग्लादेशी हिंदुओं का इस तरह सड़क पर आकर अपनी बात को दमदारी से रखना इसलिए भी अभूतपूर्व है, क्योंकि हिंदुओं ने सदियों से अपने धर्म और दर्शन का तो प्रसार किया, अपवाद स्वरूप सैन्य विजय भी की, लेकिन कभी अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर एक साथ आवाज बुलंद की हो, ऐसा याद नहीं पड़ता। जबकि दूसरे धर्मों के अनुयायियों के साथ दुनिया के किसी कोने में भी होने वाली किसी भी ज्यादती के खिलाफ तमाम देशों में प्रदर्शन शुरू हो जाते हैं। वैश्विक भाई चारा जागने लगता है। लेकिन इस तरह जागतिक भाई चारे की गरज शायद हिंदुओं ने कभी महसूस ही नहीं की या फिर ऐसी वैश्विक एकता का अंतरराष्ट्रीय राजनीति, आर्थिकी और सामाजिकी के संदर्भ में महत्व नहीं समझा। अगर समझा भी तो कभी उस पर अमल करने की कोशिश नहीं की। व्यक्तिगत मोक्ष की कामना ही हिंदुओं का अंतिम साध्य रहा है। इसी तरह जगत कल्याण की उदात्त आकांक्षा के चलते वह अपने ही अधिकारों की सामूहिक रक्षा के आग्रह में मुश्किल से ही बदल पाता है। हिंदू धर्म की ताकतवर सहिष्णुता का शायद सबसे कमजोर पक्ष यही है कि 'जीयो और जीने दो' के आग्रह में हम यह भी भूल जाते हैं कि यह थ्योरी तभी सार्थक है कि जब दूसरा भी ऐसा चाहे। मूलतः यह सिद्धांत अति उदात्त भाव से प्रेरित होने के बाद भी एक ही हाथ से ताली बजाने की वकालत ज्यादा करता है।

बहरहाल मुद्दा बांग्लादेश में हालात और धार्मिक विद्वेष के मारे हिंदुओं का है। विडंबना यह है कि सीधे धार्मिक टकराव में तो हिंदू निशाने पर होते ही हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच सत्ता की लड़ाई का भी वो पहला शिकार होते हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान इसके दो बड़े उदाहरण हैं। 1971 में जब बांग्लादेश के मुस्लिम बंगालियों ने पाकिस्तानी फौज के दमन के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई लड़ी, उसमें भी बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यक हिंदुओं की हत्याएं हुईं, महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। जबकि उनका सत्ता की लड़ाई से कोई सीधा सरोकार न था। तत्कालीन पूर्व पाकिस्तान में बुरे हालात से जो 1 करोड़ शरणार्थी भारत आए, उनमें ज्यादातर हिंदू ही थे, जिनमें से कम ही वापस बांग्लादेश लौटे। उसके बाद बांग्लादेश बनने के बाद भी टुकड़ों में हिंदुओं का भारत आना जारी है। फर्क इतना रहा कि जिस शेख हसीना सरकार को आज बांग्लादेश में फासिस्ट और अत्याचारी सरकार करार दिया जा रहा है, उसने काफी हद तक मुस्लिम कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई हुई थी। इसी तरह पाकिस्तान में हिंदुओं की बेटियों के जबरन धर्मांतरण, धर्मस्थलों पर हमले, मूर्तियां तोड़ने और हिंदुओं को काफिर कहकर और नफरत बढ़ाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इन हालात में कुछ हिंदू भारत भी आ जाते हैं। लेकिन सब भारत आ जाएं, यह व्यावहारिक भी नहीं है।

इस दृष्टि से बांग्लादेशी हिंदुओं का बड़ी तादाद में सड़कों पर उतरना वहां के नए सत्ताधीशों और कट्टरपंथियों के लिए भी चौंकाने वाला है। अमूमन घबराकर घर बार छोड़कर जाने वाली कौम अचानक पूरी ताकत से सड़कों पर कैसे उतर आई? क्योंकि आमतौर पर हिंदुओं से इस तरह के विरोध प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं जाती। वो इकट्ठे भी होते हैं तो किन्हीं धार्मिक समागमों में। यह मान्यता आम है कि जिस तरह हिंदू सामाजिक रूप से एक नहीं होते, उसी तरह अपने व्यापक हितों और अस्मिता को लेकर कभी एक नहीं हो सकते। जातीय विभाजन उन्हें एक ईकाई की तरह कभी एक नहीं होने देगा। वो मार खाते रहेंगे और कराहते रहेंगे और मुश्किल में भगवान से रक्षा की गुहार लगाते रहेंगे। इसके विपरीत बांग्लादेश में उभरा यह एकजुट विरोध भी हिंदुओं को वास्तव में कितना एक रखेगा, अभी कहना मुश्किल है। लेकिन इस प्रतिरोध में वैश्विक हिंदू एकता का दिशादर्शक तत्व निहित हो सकता है। और यह एक अच्छा लक्षण है।

हिंदुओं के इस साहस को भारत में राजनीतिक हिंदुत्व की सीमित परिभाषा से आगे जाकर समझना होगा। क्योंकि विश्व भर में हिंदू धर्म न केवल सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है बल्कि यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा धर्म भी है। यह केवल एक किताब, एक अवतार, एक विचार से प्रसूत धर्म भी नहीं है। यह एक अनूठी जीवन शैली है, जो अपनी तमाम खामियों के बाद भी दुनिया में शाश्वत और नित्य नूतन है। इसे किसी विचार, अस्त्र, विष अथवा क्रूरता से नहीं मारा जा सकता। हिंदू धर्म अपने ही दम पर टिका है। अपने ढीले-ढाले संगठन, असंख्य मत मतांतरों, दर्शनों और आराधना पद्धतियों के बाद भी जिंदा है। यह इसलिए भी अहम है कि आज जग में भारत और नेपाल जहां हिंदू बहुल है, वहीं करीब दो दर्जन देशों में हिंदू आबादी उल्लेखनीय संख्या में है। इसके बाद भी हिंदुओं की आवाज विश्व स्तर पर उतनी दमदारी से क्यों नहीं उभरती, उसे उस रूप में क्यों नहीं सुना जाता? क्या इसलिए कि हम विश्व को एक परिवार मानते हैं, जबकि इतर मान्यताओं में परिवार ही समूचे विश्व पर अपना हक जताते हैं?

यहां बात केवल किसी देश या राज्य में सत्ता हथियाने तक सीमित नहीं है बल्कि अपने वजूद और सम्मानपूर्वक जीने के हक को जताने की है। बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ दुनिया के कई देशों अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों में भी हिंदू अपने दायरो से बाहर निकल कर समर्थन में उतरे हैं तो यह वैश्विक हिंदू चेतना के जाग्रत होने का शुभ लक्षण है। कुछ जगह उनके समर्थन में ईसाई और यहूदी समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन में भाग लिया। यहां भारत में भी आरंभिक राजनीतिक गुणा-भाग के बाद विपक्षी पार्टियों ने भी बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सधी हुई जबान में विरोध दर्ज कराना शुरू किया है। यह कैसे हो सकता है कि आप एक समुदाय पर अत्याचार के खिलाफ राजनीतिक रूप से मुखर हों और दूसरे अल्पसंख्यक समुदाय पर ज्यादती को भारत के आईने में देखकर अपनी भाव मुद्रा तय करें?

एमपी में मंत्रियों को मिले जिलों के प्रभार

सीएम डॉ. यादव इंदौर, विजयवर्गीय सतना-धार; प्रहलाद पटेल भिंड-रीवा के प्रभारी मंत्री

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार बनने के करीब सात महीने बाद मंत्रियों को जिलों के प्रभार सौंप दिए गए हैं। सोमवार देर रात लिस्ट जारी की गई। इसमें सीएम डॉ. यादव ने इंदौर जिले का प्रभार अपने पास रखा है। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल सागर और शहडोल के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं। वहीं, जगदीश देवड़ा को जबलपुर और देवास जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। कांग्रेस से बीजेपी में आकर मंत्री बने राम निवास रावत को मंडला और दमोह जिले का जिम्मा दिया गया है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने अपने पास रखा पावर

मंत्रियों को दिए जिलों के प्रभार में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पावर अपने हाथ में ही रखा है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर जिले का प्रभार सीएम ने अपने पास रखा है। वहीं राजधानी भोपाल जिले की कमान MSME मंत्री चैतन्य काश्यप को दी है।

माइनिंग के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण सिंगरौली जिले का प्रभार PHE मंत्री संपतिया उईके को दिया है। जिलों के प्रभारी मंत्रियों की घोषणा होने से पहले कांग्रेस यह आरोप लगा रही थी कि मंत्रियों के बीच सिंगरौली जैसे भारी-भरकम राजस्व देने वाले जिले को लेकर खींचतान मची है। लेकिन, जब लिस्ट आई तो पहली बार मंत्री बनी संपतिया उईके को सिंगरौली की जिम्मेदारी दी गई।

विजयवर्गीय और पटेल को नहीं मिले बड़े जिले

कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल जैसे सीनियर मंत्रियों को भोपाल, ग्वालियर जैसे जिलों के प्रभार नहीं दिए। सीनियर मंत्रियों के प्रभार में एक जिला गृह नगर से नजदीक और एक दूर का जिला दिया है। कैलाश विजयवर्गीय को सतना और धार का प्रभार दिया है। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल को रीवा और भिंड की जिम्मेदारी मिली है। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को छिंदवाड़ा की कमान सौंपी गई है।

8 मंत्रियों को मिले एक-एक जिले के प्रभार

मोहन कैबिनेट में सीएम के अलावा 31 मंत्री हैं। इनमें से 8 मंत्रियों को एक-एक जिले का प्रभार दिया गया है। सीएम डॉ. यादव के गृह जिले उज्जैन का प्रभार तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री गौतम टेटवाल को दिया गया है।

सिंधिया के क्षेत्र में करीबियों को कमान

केन्द्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के क्षेत्र में उनके ही करीबी मंत्रियों को जिलों का प्रभार दिया गया है। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट को फिर से ग्वालियर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। सिलावट को बुरहानपुर की भी जिम्मेदारी मिली है। सिंधिया के दूसरे करीबी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को गुना और नरसिंहपुर की जिम्मेदारी मिली है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को इस बार शिवपुरी और पांढुर्णा का प्रभार मिला है। तोमर पिछली सरकार में गुना के प्रभारी मंत्री थे।

850 एमएसएमई खातों में भेजे 275 करोड़

सीएम यादव बोले- आने वाला समय महिलाओं का, कोई उद्योग मंत्री तो कोई बन सकता है मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में सात बहनों ने राखी बांधी। इस मौके पर सीएम ने कन्या पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि महिलाओं ने अपने उद्यम से संस्कृत और समाज को विकसित किया है। आने वाला समय लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं को 33 प्रतिशत की भागीदारी देने वाला होगा। महिलाएं इसके लिए तैयार रहें। आने वाले समय में आप महिलाओं में से कोई भी उद्योग मंत्री बन सकता है तो कोई मुख्यमंत्री बन सकता है। आप तैयार रहें, अगली बारी आपकी है।

सीएम यादव ने कहा कि अतीत गवाह है कि जब-जब बहनों से भाई को आशीर्वाद मिला है, भाई कभी पराजित नहीं हुआ है। यादव ने कहा कि अंग्रेज भारत में आए तो हमारा उद्यम छीन लिया था। महिलाओं की उद्यमशीलता के चलते देश आज निरंतर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज महिला उद्योगपति व उद्यमी सम्मेलन का कुशाभाव ठाकरे सभागार में दीप प्रज्वलित करने के साथ ही कन्या पूजन कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में सात बहनों ने राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान 99 इकाइयों का लोकार्पण और 12 यूनिट का भूमि पूजन सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। उन्होंने 850 से अधिक उद्योगों को 275 करोड़ के अनुदान की राशि सिंगल क्लिक से भेजी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि महिला उद्यमियों को अगर कोई दिक्कत होती है तो वह उन्हें भाई के रूप में याद कर सकती हैं। मंत्री के साथ-साथ हुए उनके भाई भी हैं। अधिकारी भी उनकी पूरी मदद करेंगे। इस कार्यक्रम में तीन महिला उद्यमियों ने अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे और किन परिस्थितियों में उन्होंने उद्यम शुरू किया और उसे आगे बढ़ाकर लोगों को रोजगार देने का काम किया है। कार्यक्रम में महिला उद्यमियों के उद्योग से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई।

देश का सबसे बड़ा तिरंगा भोपाल के बड़े तालाब में लगाया जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बड़े तालाब में स्पोर्ट्स बोट से हुई तिरंगा परेड

- सीएम ने 'ये देश है वीर जवानों का' गाना भी गाया, बोट क्लब पर तिरंगा यात्रा देखने उमड़ी भीड़

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल के बड़े तालाब में देश का सबसे बड़ा तिरंगा लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आहवान पर आजादी के पर्व पर उत्साह, उमंग और जोश के साथ हर घर तिरंगा अभियान मनाया जा रहा है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और तिरंगा सदा से ही हमारे लिए संघर्ष, परिश्रम और प्रगति का प्रेरणा स्त्रोत रहा है। हर घर तिरंगा अभियान में सभी लोग देशभक्ति के आनंद से अभिभूत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ा तालाब स्थित बोट क्लब पर आयोजित तिरंगा यात्रा के अवसर पर मीडियाकर्मियों से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोट क्लब पर मध्य प्रदेश टूरिज्म के नवीनीकृत फूड कॉर्नर लहर फास्ट का फीता काटकर तथा पूजन कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सांसद श्री वी.डी. शर्मा, भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, सहित जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

देश भक्ति की धुनों के बीच तिरंगे के साथ बड़े तालाब में नावों से बनाई विशेष फॉर्मेशन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूरे जोश के साथ देशभक्ति गीत 'यह देश है वीर जवानों का' गाया और बड़े तालाब में नावों पर कलाकारों ने प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर स्पोर्ट्स तिरंगा शो के अंतर्गत बड़े तालाब पर लेक प्रिंसेस क्रूज में ध्वज अभिवादन किया और तिरंगे गुब्बारे छोड़े। मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स बोट में तिरंगा लेकर परेड की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा लहराकर सभी का उत्साहवर्धन किया है। वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ियों द्वारा बड़े तालाब में देश भक्ति की धुनो के बीच तिरंगे के साथ नावों के माध्यम से विशेष फॉर्मेशन भी निर्मित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भोपालवासियों ने वॉटर स्पोर्ट्स तिरंगा परेड का आनंद लिया।

लहसुन चटनी-मसाला ही नहीं, सब्जी भी है

इंदौर हाईकोर्ट का फैसला; किसान मंडी के साथ व्यापारियों को भी बेच सकेंगे

इंदौर (नप्र)। लहसुन सब्जी है या मसाला? आखिरकार इसका फैसला हो गया है। 9 साल बाद हाई कोर्ट ने कहा है कि इसे सब्जी भी माना जाए। किसानों को यह राहत दी है कि वे चटनी मसाला बाजार में भी लहसुन को बेच सकते हैं।

वर्तमान में मंडी अधिनियम के तहत लहसुन को केवल चटनी मसाला कैटेगरी में रखा जाता है। फैसले के बाद अनाज के साथ सब्जी मंडी दोनों श्रेणी में इसे रख सकेंगे। मामल में हाई कोर्ट की सिंगल बेंच का पुराना फैसला सही पाया गया। ताजा फैसले में हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने इस मामले में दायर रिव्यू याचिका को स्वीकारते हुए यह बात दोहराई।

किसानों को मिलेगी हाथों-हाथ पेमेंट- सब्जी मंडी में कमीशन एजेंट के माध्यम से फसल बेचने पर किसान को हाथों-हाथ भुगतान मिल जाता है। कृषि उपज मंडी में सीधे खरीदार को माल बेचने पर भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ता है। अब हाई कोर्ट ने व्यवस्था दी कि किसान अपनी सुविधा के अनुसार लहसुन की फसल को कृषि उपज मंडी के अलावा सब्जी मंडी में व्यापारियों को अपनी उपज बेच सकेगा।

प्याज पहले से ही सब्जी की कैटेगरी में- मंडी बोर्ड के अनुसार पहले लहसुन को सिर्फ चटनी/मसाला माना जाता था। जबकि प्याज को पहले से ही सब्जी की श्रेणी में रखा हुआ है। नई व्यवस्था के बाद अब प्याज-लहसुन एक ही कैटेगरी में आ जाएंगे।मंडी के ऑनलाइन पोर्टल पर लहसुन को मसाले की श्रेणी में रखा गया है। अब इसे सब्जी में भी गिना जा सकेगा।

यह है 9 साल पुराना मामला- आलू प्याज कमीशन एसोसिएशन की ओर से रिव्यू याचिका लगाई गई। पैरवी करने वाले एडवोकेट अजय बागड़िया ने बताया मंडी बोर्ड ने लहसुन को कृषि उपज मानते हुए इसे कृषि उपज मंडी में बेचने के आदेश दिए थे। 2016 में प्रमुख सचिव के आदेश के खिलाफ एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

इसके बाद फरवरी 2017 में सिंगल जज ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। किसानों को सब्जी मंडी या कृषि मंडी कहीं पर भी लहसुन बेचने की सुविधा दे दी गई। लेकिन, 2017 में मुकेश सोमानी नामक शख्स की तरफ से एक रिव्यू याचिका लगाई गई। इस पर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने फिर लहसुन को पूर्ववत चटनी मसाले की श्रेणी में शिफ्ट कर दिया। इसके बाद फिर से रिव्यू याचिका लगाई गई।

रिव्यू याचिका पर इंदौर हाईकोर्ट के जस्टिस धर्माधिकारी और वेंकटरमन की डबल बेंच ने सुनवाई की। सिंगल बेंच के 2017 में आए पुराने आदेश को बहाल कर दिया है।

भोपाल में बारिश, 8 जिलों में अलर्ट

ग्वालियर-चंबल, जबलपुर संभाग भी भीगेंगे, प्रदेश में सीजन की 72 प्रतिशत ज्यादा बारिश

भोपाल (नप्र)। मानसून ट्रफ की एक्टिविटी से एक बार फिर मध्यप्रदेश में तेज बारिश शुरू हो गई है। यह ट्रफ ग्वालियर और सीधी से गुजर रही है। इसका असर ग्वालियर, चंबल और जबलपुर संभाग में रहेगा। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे से भोपाल में बारिश शुरू हो गई। श्योपुर में आज सुबह सीप नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा।

आईएमडी, भोपाल ने जबलपुर समेत 8 जिलों में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के दूसरे जिलों में गरज-चमक और हल्की बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, अगले 24 घंटे के दौरान श्योपुर, मुरैना, गुना, अशोकनगर, कटनी, उमरिया, जबलपुर, डिंडौरी में तेज बारिश हो सकती है। प्रदेश में सीजन की 72 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो गई है। अब तक 23.1 इंच बारिश होनी चाहिए, लेकिन 27 इंच पानी गिर चुका है।